सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 331 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 14 सितंबर 2024 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन

रायपुर। प्रदेश के श्रम विभाग द्वारा मंगलवार 17 सितंबर 2024 को विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मुख्य आतिथ्य एवं श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन की अध्यक्षता में प्रदेश स्तरीय श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह सम्मेलन राजधानी के बुढ़ापारा स्थित बलबीर सिंह जुनेजा इन्डोर स्टेडियम, रायपुर में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों के लिए संचालित 30 जनकल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत ऑनलाईन प्राप्त आवेदन में से पात्र हितग्राहियों को योजना में प्रावधान अनुरूप सहायता राशि से लाभान्वित किया जाना है। साथ ही कार्यक्रम अंतर्गत श्रमिक हित में किये जा रहे विभाग के प्रयासों एवं सफ्लताओं को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री जनदर्शन का मिला सीधा लाभ, किसानों को मिली बड़ी राहत

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निवास में आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री जनदर्शन का सीधा लाभ आमजनों को मिल रहा है। जनदर्शन में प्राप्त निर्देशों के अनुरूप बलोदाबाजार जिला प्रशासन ओला वृष्टि से प्रभावित फ्सल क्षति हेतु सोनाखान क्षेत्र अंतर्गत 7 गावों के 772 किसानों के लिए 98 लाख 38 हजार 528 रूपये जारी किया है। जिसमें ग्राम सुखरी के 79, छतवन 174, देवगांव 44, गनौद 59, कुशगढ़ के 156 एवं कुशभाटा के 174 प्रभावित किसान शामिल है। उक्त सभी किसानों के खाते में आरटीजीएस के माध्यम राशि तहसीलदार सोनाखान के द्वारा जमा करा दिया गया है। उक्त राशि मिलने से किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। गौरतलब है की 2023 में ग्राम नगेड़ा के आसपास ग्रीष्मकालीन धान का फ्सल लगा हुआ था जो पूरी तरह से पक चुका था। मई माह में जोरदार ओलावृष्टि हुआ जिससे धान का फ्सल पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। ओलावृष्टि से नुकसान हुए फ्सल के मुआवजा हेतु मुख्यमंत्री सहित कलेक्टर को भी आवेदन बड़ी संख्या में किसानों द्वारा दिया गया था। उसी समय ओलावृष्टि हुए आस पास के गांवों में कलमीदादर, बानीखार, देवरी, नगेड़ी, सहित कुल 33 गांवों को मुआवजा मिल चुका था। पर अन्य गांवों का मुआवजा बचा हुआ था जिसे अब जारी किया गया है।

छत्तीसगढ़ में अब तक 1068.4 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक एक जून 2024 से अब तक राज्य में 1068.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून 2024 से आज 14 सितम्बर सवेरे तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार बीजापुर जिले में सर्वाधिक 2280.3 मिमी और सरगुजा जिले में सबसे कम 547.3 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सूरजपुर जिले में 976.0 मिमी, बलरामपुर में 1411.0 मिमी, जशपुर में 837.2 मिमी, कोरिया में 962.8 मिमी, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में 976.4 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी।

समर्पित नक्सलियों की होगी बल्ले-बल्ले!

साय सरकार लाने जा रही है नई पुनर्वास नीति, मिलेंगे हर महीने 10 हजार रुपए

श्रीकंचनपथ न्यूज़ डेस्क

रायपुर। माओवादियों के सफाए के लिए संकल्पित छत्तीसगढ़ की सरकार नई पुनर्वास नीति लेकर आ रही है। फिलहाल इस पुनर्वास नीति का प्रारूप तैयार किया जा रहा है। वर्षात से पहले नई नीति तैयार कर ली जाएगी। पूर्व की अपेक्षा इस नई पुनर्वास नीति में कई ऐहतियाती कदम उठाए जाने की तैयारी है। इसके तहत आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को अधिकारियों की देखरेख में तीन साल गुजारने होंगे। इस दौरान उन्हें हर महीने 10 हजार रुपए की राशि बतौर भत्ता प्रदान की जाएगी। यह राशि 3 वर्षों तक देय होगी। इसके अलावा नक्सल संगठन के बड़े नेताओं के आत्मसमर्पण पर उन्हें 5 लाख और निचले व मध्यम स्तर के नक्सलियों को ढाई लाख रूपए बतौर अनुदान दिए जाएंगे। हालांकि अनुदान की राशि भी तीन साल तक उनका आचरण और व्यवहार देखने के बाद मिलेगी।

नक्सलियों के पुनर्वास के लिए प्रदेश की विष्णुदेव साय सरकार एक नई और व्यापक नीति लाने जा रही है। दरअसल, विकास की राह में रोड़ा बनने वाले माओवादियों के सफाए के लिए केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार मिलकर काम कर रही है। केन्द्र सरकार ने नक्सलियों के पूरी तरह से सफाए के लिए मार्च 2026 तक की डेटलाइन तय कर रखी है। इसी का नतीजा है कि इस साल 150 से ज्यादा नक्सलियों को मार गिराया गया है। राज्य के सबसे ज्यादा नक्सल प्रभावित इलाकों में फोर्स की तैनाती भी लगातार बढ़ाई जा रही है। सरकार का रूख बिलकुल स्पष्ट है कि नक्सली या तो समर्पण करें या फिर गोली खाने को तैयार रहें। पिछले महीने के अंत में छत्तीसगढ़ के दौरे पर आए केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भी कहा था कि शांति के साथ नक्सली आत्मसमर्पण कर दें अन्यथा उन्हें पाताल से खोलकर मारा जाएगा।

सुरक्षा बलों के कैम्प पर हमला

सुकमा में नक्सलियों ने सुरक्षा बालों के कैम्प पर हमला कर दिया। जगरगुंडा थाना क्षेत्र के पूवर्ती कैंप पर देर रात हमला किया गया। नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को जान से मारने की नीयत से यूबीजीएल से 15-20 राउण्ड फायर किया। दरअसल कुछ महीने पहले ही खूंखार नक्सली हिड़मा के गांव पूवर्ती में सुरक्षा बलों का कैम्प खुला है। गृहमंत्री विजय शर्मा भी इस गांव में पहुंच चुके हैं। सुरक्षा बलों का कैंप खुलने के बाद इलाके में नक्सलियों पर काफी दबाव पड़ने लगा है। ऐसे में नक्सलियों ने रात का फायदा उठाकर सुरक्षाबल के कैम्प पर ही हमला करने की साजिश रची। शुक्रवार की देर रात नक्सली यहां पहुंचे और यूबीजीएल दागना शुरू कर दिया। नक्सलियों के अटैक करते ही कैम्प में हड़कंप मच गया। जवानों ने मोर्चा संभाल लिया। सुरक्षाबलों के जवानों ने नक्सलियों को मुंहतोड़ जवाब दिया। काफी देर तक जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चलती रही। जवानों को भारी पड़ते देख नक्सली भाग खड़े हुए। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

कैम्पों में सिखाया जाएगा हुनर

ऐसा नहीं है कि छत्तीसगढ़ के ही नक्सलियों के समर्पण के बाद लाभ मिलेगा। छत्तीसगढ़ सरकार की नई पुनर्वास नीति में यदि दीगर राज्यों के नक्सली भी आत्मसमर्पण करते हैं तो उन्हें भी फायदा मिलेगा। समर्पण के पश्चात माओवादियों को कौशल विकास योजना से जोड़कर हुनरमंद बनाया जाएगा। उन्हें हुनरमंद बनाने के लिए समर्पण के बाद के वही 3 वर्ष रखे गए हैं। इसके अलावा नई पुनर्वास नीति लागू होने से आत्मसमर्पित नक्सलियों के कोर्ट संबंधी मामले सुलझाने में भी पुलिस को मदद मिलेगी। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास कैम्प का भी आयोजन किया जाएगा। प्रभावित क्षेत्रों में कैम्प लगाने की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। नक्सली हथियारों के साथ समर्पण करते हैं तो उनके हथियार जैसे एके 47, एसएलआर, भरमार बंदूक, पिस्टल आदि का मूल्यांकन कर उसकी राशि दी जाती है। यह राशि भी बढ़ाई जाएगी। उन्हें निवास के लिए मनचाहे शहर या गांव का विकल्प दिया जाएगा। कम ब्याज पर लोन भी उपलब्ध कराया जाएगा।

सुकमा मुठभेड़ में 1 नक्सली ढेर

सरकार द्वारा तैयार की जा रही नई पुनर्वास नीति के बीच सुरक्षा बलों का आपरेशन लगातार जारी है। शनिवार को गश्त पर निकले जवानों की सुकमा के जंगलों में नक्सलियों के साथ जबरदस्त मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया गया है। बाकी नक्सली मौके का फायदा उठाकर भाग खड़े हुए, जिनकी तलाश में सर्च आपरेशन चलाया जा रहा है। मौके से नक्सलियों का सामान बरामद हुआ है। सुकमा एसपी किरण चव्हाण के मुताबिक, चिंतागुफा थाना क्षेत्र के तुमालपाड़ के जंगल और पहाड़ में नक्सलियों की सूचना मिलने पर जवान निकले थे। टीम में जिला बल, डीआरजी और बस्तर फाइटर की एक संयुक्त टीम शामिल थी। सुकमा एसपी ने बताया कि मौके पर पहुंचने के बाद जवान इलाके की घेराबंदी कर ही रहे थे कि अचानक नक्सलियों ने जवानों को देख लिया और ताबड़तोड़ गोलियां बरसाना शुरू कर दी। हमला होते देख जवानों ने भी मोर्चा संभाल लिया। इसके बाद जवानों ने भी जवाबी कार्यवाही की। इसी दौरान एक नक्सली को मार गिराया गया। श्री चव्हाण के मुताबिक जवानों को घटनास्थल से नक्सलियों का एक हथियार और बड़ी मात्रा में सामान भी मिला है। फिलहाल मारे गए

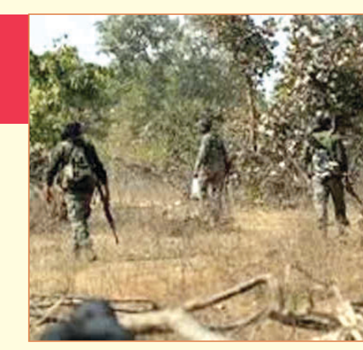

नक्सली की शिनाख्त नहीं हो पाई है। जवानों का सर्च आपरेशन जारी है।

ट्रायल रन के दौरान दुर्ग-विशाखापट्नम वंदेभारत पर पथराव, शीशे टूटे, पांच बदमाश गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। दुर्ग-विशाखापट्नम वंदेभारत एक्सप्रेस के ट्रायल रन के दौरान महासमुंद जिले के बागबहरा के पास पथराव हो गया। यहां कुछ बदमाशों ने ट्रेन पर पथराव किया जिससे तीन कोच के कांच टूट गए। घटना के बाद वंदेभारत को जिले के एक स्टेशन पर रोका गया। इस मामले में आरपीएफ ने पांच बदमाशों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में एक स्थानीय पार्षद का भाई भी शामिल है।

बता दें दुर्ग से विशाखापट्नम के बीच 16 सितंबर से वंदेभारत एक्सप्रेस की शुरुआत हो रही है। इससे पहले 13 सितबर को ट्रेन का ट्रायल रन किया गया। दुर्ग से सुबह ट्रायल रन पर निकलने के बाद महासमुंद जिले में इस पर पथराव हुआ। वंदेभारत सुबह 7.10 बजे महासमुंद से रवाना हुई थी। इसके बाद विशाखापअ्नम से लौटते समय शुक्रवार की रात करीब 9 बजे बागबाहरा स्टेशन से गुजर रही थी, तभी 5 आरोपियों ने पथराव किया। पथराव से ट्रेन के तीन कोच C2-10, C4-1, C9-78 के कांच टूट गए। वंदेभारत पर पथराव की जानकारी आरपीएफ को दी गई। इसके बाद आरपीएफ की तत्काल एक्टिव हुई और अलग अलग छापेमारी कर बागबहरा क्षेत्र से पांच बदमाशों को पकड़ लिया गया।

पकड़े गए पांच आरापी

पकड़े गए बदमाशों में शिव कुमार बघेल, देवेंद्र कुमार, जीतू पांडे, सोनवानी और अर्जुन यादव हैं। पांचों बदमाश बागबाहरा के रहने वाले हैं और नशा व अपराधिक कार्यों में लिप्त रहते हैं। आरापियों में से एक शिव कुमार बघेल यहां के एक पार्षद का भाई है। आरपीएफ द्वारा पकड़े गए पांचों आरोपियों पर रेलवे एक्ट की धारा 153 के तहत कार्रवाई की गई।

कारतूस का जखीरा जब्त

- मछली पकड़ने गए बच्चों को मिला अलग-अलग बंदूक के 84 गोलियां, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में चौकाने वाला मामला सामने आया है। पुलिस महकमे में हड़कंप उस वक्त मच गया, जब बंदूक की गोलियों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। गोलियों का जखीरा नाला में मछली पकड़ने गए बच्चों को मिला। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची तेलीबांधा पुलिस गोलियों को जब्त कर लिया है। हालांकि ये आवाजी या अभ्यास किए जाने वाले कारतूस हैं या जिंदा कारतूस यह जांच के बाद ही पता चलेगा।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, ग्राम फुंडहर के छोकरा नाला में मछली पकड़ने वाले बच्चों को कारतूस मिले। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और नाले से कुल 84 कारतूस और दो खाली खोखा बरामद किया गया है। उक्त कारतूस में 303 बोर, एमएमके, इंसास आदि के कारतूस जब्त हुआ है। नाला में मिली राइफ्ल की 70 गोलियां एलएमजी जैसे राइफ्ल में इस्तेमाल होती है। जिसे अब पुलिस गोलियों को जब्त कर मामले की जांच में जुट गई है।

बदल सकती है चिकित्सा की सूरत

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़ सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में तैनात चिकित्सकों को एक बड़ी राहत दी है। इसका सकारात्मक प्रभाव आने वाले दिनों में छत्तीसगढ़ समेत पड़ोसी राज्यों के मरीजों पर भी पड़ेगा। स्वास्थ्य विभाग ने शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों के सीनियर रेसीडेंट व प्रदर्शक (पीजी), सहायक प्राध्यापक, सह प्राध्यापक एवं प्राध्यापक के वेतन में ऐतिहासिक वृद्धि कर दी है जो 1 सितंबर से प्रभावी भी हो गया है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के आदेश के अनुसार गैर अनुसूचित क्षेत्रों के मेडिकल कालेज में पदस्थ प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 55 हजार से बढ़ाकर 1 लाख 90 हजार रूपए कर दिया गया है। इसी तरह से सह प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 35 हजार से 1 लाख 55 हजार, सहायक प्राध्यापक का वेतन 90 हजार से 1 लाख तथा सीनियर रेसीडेंट व प्रदर्शक (पीजी) का वेतन 65 हजार रूपए से बढ़ाकर 75 हजार रूपए कर दिया गया है। अनुसूचित क्षेत्रों के मेडिकल कालेज में पदस्थ प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 90 हजार रूपए से बढ़ाकर 2 लाख 25 हजार रूपए कर दिया गया है। सह प्राध्यापक का वेतन 1 लाख 55 हजार से 1 लाख 85 हजार, सहायक प्राध्यापक का वेतन 90 हजार से 1 लाख 25 हजार तथा सीनियर रेसीडेंट व प्रदर्शक (पीजी) का वेतन 65 हजार रूपए से बढ़ाकर 95 हजार रूपए कर दिया गया है। इसके अलावा संविदा चिकित्सकों के लिए जारी पुनरीक्षित संविदा वेतनमान के अनुसार अनुसूचित क्षेत्र में लगभग 46 फीसदी तथा गैर अनुसूचित क्षेत्र में लगभग 23 फीसदी की वेतन वृद्धि की गयी है। छत्तीसगढ़ में अंबिकापुर (सरगुजा जिला), बस्तर, कांकेर और कोरबा के मेडिकल कालेज अनुसूचित क्षेत्र में हैं। इनमें से बस्तर का स्व। बलिराम कश्यप मेमोरियल मेडिकल कालेज, जगदलपुर का विशेष महत्व है। इसकी स्थापना 2006 में की गई थी। इस मेडिकल कालेज अस्पताल पर छत्तीसगढ़ के अलावा चार राज्यों ओडीशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना तथा महाराष्ट्र के मरीज भी निर्भर हैं। अस्पताल में यूजी के साथ-साथ पीजी की सीटें भी हैं। सुपर स्पेशालिटी विंग निर्माणाधीन है। इसके बाद यहां कार्डियोलॉजी तथा न्यूरोलॉजी जैसे सेवाएं भी उपलब्ध हो जाएंगी। इन कालेजों के सामने सबसे बड़ी मुसीबत है स्टाफ रिटेंशन। वेतन कम होने के कारण सुपर स्पेशालिस्ट चिकित्सक यहां टिकना नहीं चाहते। पर एक हकीकत यह भी है कि अब देश में मेडिकल कालेजों के साथ ही यूजी और पीजी की सीटों में भी तेजी से इजाफा हो रहा है। लिहाजा बड़े शहरों में सैचुरेशन की स्थिति बन रही है। ऐसे में यदि अनुसूचित क्षेत्र के मेडिकल कालेजों में 2 लाख रुपए से अधिक का वेतन मिलता है तो उसकी स्टाफ की समस्या हल हो सकती है। इसका लाभ यहां तैयार होने वाले भावी चिकित्सकों को भी मिलेगा। सबसे बड़ा लाभ इन अनुसूचित क्षेत्र में रहने वाले शहरी एवं ग्राम्य मरीजों को होगा जो अभी इलाज के लिए दूर-दराज की यात्रा करने की स्थिति में ही नहीं होते। एक साधुवाद तो बनता है।

संपादकीय

केजरीवाल को जमानत

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को मिली जमानत की चर्चा स्वाभाविक है और उसके निहितार्थ समझने की कोशिश भी खूब होगी। जमानत की उम्मीद इस महीने की शुरुआत में ही बनने लगी थी और अंततः शुक्रवार को सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्यमंत्री को उत्पाद शुल्क नीति मामले में जमानत देकर आम आदमी पार्टी को भी बड़ी राहत दी है। इस जमानत का महत्व इसलिए भी ज्यादा है, क्योंकि जमानत पाने वाले नेता मुख्यमंत्री हैं और अक्सर दिल्लीवासियों को इस वजह से आलोचना का सामना करना पड़ता था। किसी मुख्यमंत्री के जेल में इतने लंबे समय तक रहने से हर किसी को चिंता होने लगी थी। जमानत के लिए अरविंद केजरीवाल ने जितने प्रयास किए हैं, यह भी अपने आप में मिसाल है। वैसे, लोकसभा चुनाव के समय उन्हें जमानत मिली थी और इसका लाभ आम आदमी पार्टी को बहुत नहीं, पर इंडिया ब्लॉक को जरूर हुआ। चुनाव प्रचार के बाद केजरीवाल की ओर से यह पुरजोर कोशिश हुई थी कि उनकी जमानत अवधि बढ़ जाए, पर ऐसा हो न सका था।

> “ अगर वह अपनी भूमिका वाले इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने में कामयाब रहे, तो सीटों पर तालमेल के साथ बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। दूसरी बात, यह एक सबक है कि हरेक मंत्री और मुख्यमंत्री को अपना दामन साफ रखने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जरूर ध्यान देना चाहिए। देश की राजनीति का जो मिजाज बन गया है, उसमें अब किसी भी राजनेता की कमी बहुत ज्यादा समय तक छिपी नहीं रह सकती।

मिलते-जुलते मामलों में ही संजय सिंह और मनीष सिसोदिया को जमानत मिल चुकी है और अरविंद केजरीवाल की रिहाई पर ही बात अटकी थी। शीर्ष अदालत ने केजरीवाल और सीबीआई का प्रतिनिधित्व करने वाले वकीलों को सुनने के बाद 5 सितंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सीबीआई के वकील अभी भी जमानत को रोकना चाहते थे, पर न्यायालय ने राहत के पक्ष में फैसला सुनाया। हालांकि, यह जमानत सीबीआई के लिए अच्छा संकेत नहीं है। ईडी ने 21 मार्च को अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार किया था, जब ईडी का शिकंजा ढीला पड़ा, तो उन्हें सीबीआई ने 26 जून को गिरफ्तार कर लिया। वास्तव में, इन सुरक्षा एजेंसियों को जितनी तैयारी के साथ कोई कार्रवाई करनी चाहिए, वैसा नहीं हो पा रहा है। अब यह संदेश तो लोगों के बीच जरूर जाएगा कि आरोपों में शायद इतना दम नहीं था, इसलिए सभी नामी आरोपी एक-एक कर छूट गए। प्रवर्तन निदेशालय अर्थात ईडी के साथ ही, अब सीबीआई को भी नए सिरे से सुबूतों के साथ मामले को खड़ा करना होगा। जरूरी नहीं कि आरोपी निर्दोष हों, पर दोष साबित करना जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी है, आरोप लगा देना ही पर्याप्त नहीं। आबकारी विभाग या उत्पाद शुल्क से जुड़े इस मामले में आरोप है कि 100 करोड़ रुपये की रिश्वत का आदान-प्रदान हुआ। यह भी आरोप लगा कि इस पैसे का बड़ा हिस्सा आम आदमी पार्टी ने गोवा चुनाव में खर्च किया। ये आरोप बने रहेंगे। जमानत के बावजूद मुख्यमंत्री की चुनौतियां कम नहीं हुई हैं। केजरीवाल का बेदाग निकलना इस अलग मिजाज की वैकल्पिक पार्टी के लिए जरूरी है।

बहरहाल, चर्चा इस बात की है कि केजरीवाल की रिहाई का हरियाणा चुनाव पर क्या असर पड़ेगा? संदेह नहीं कि वह स्टार प्रचारक हैं। अगर वह अपनी भूमिका वाले इंडिया ब्लॉक को मजबूत करने में कामयाब रहे, तो सीटों पर तालमेल के साथ बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। दूसरी बात, यह एक सबक है कि हरेक मंत्री और मुख्यमंत्री को अपना दामन साफरखने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर जरूर ध्यान देना चाहिए। देश की राजनीति का जो मिजाज बन गया है, उसमें अब किसी भी राजनेता की कमी बहुत ज्यादा समय तक छिपी नहीं रह सकती।

वीभत्स घटना पर राजनीतिक दिखावा

गंभीर और मुश्किल सवालों से उलझने का साहस ना हो, तो फिर हर वीभत्स घटना पर राजनीतिक दिखावा ही एकमात्र रास्ता बच जाता है। आरजी कर अस्पताल बलात्कार कांड के बाद यही रास्ता ममता बनर्जी की सरकार ने अपनाया है।

ममता बनर्जी ने इसे ऐतिहासिक और मॉडल विधेयक कहा है। पश्चिम बंगाल की विधानसभा ने बलात्कार और हत्या के दोषियों को मृत्युदंड का प्रावधान करते हुए इस विधेयक को पारित किया है। इसमें यह भी प्रावधान है कि पुलिस को ऐसे मामलों की जांच पूरी कर 21 दिन के अंदर अपनी पहली रिपोर्ट अदालत में पेश करनी होगी, जिससे मुजरिमों को शीघ्र एवं कठोरतम सजा दिलाना संभव हो जाएगा। इस तरह आरजी कर अस्पताल में महिला डॉक्टर की बलात्कार के बाद हत्या के मामले में सियासी तौर पर बुरी तरह घिर गई राज्य की सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस ने अपने बचाव का एक राजनीतिक कदम उठाया है। दांव कारगर होगा या नहीं, यह तो बाद में जाहिर होगा। लेकिन जो कदम उठाया गया है, वह सिरे से समस्याग्रस्त है। इससे जाहिर हुआ है कि देश में इतना विवेकहीन माहौल बना हुआ है कि इसके बीच गंभीर मसलों पर भी अतीत से सीख लेने और तार्किक विचार-विमर्श में जाने की गुंजाइश बेहद सिकुड़ चुकी है। निर्भया कांड के बाद देश में ऐसे अपराधों के लिए सजा को सख्त बनाया गया था। उसके बाद बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए और भी सख्त पोक्सो जैसा कानून बना।

उन अधिनियमों का तजुर्बा क्या है? क्या उनसे जुर्म पर काबू पाने में तनिक भी मदद मिली? ऐसा ना होना दो प्रमुख वजहों से हुआ है। एक तो अपने देश में कानून के मुताबिक सजा सुनिश्चित करने वाली आपराधिक न्याय व्यवस्था बेहद लचर है, इसलिए अच्छे इरादों के बावजूद ठोस परिणाम हासिल नहीं होते। दूसरे, जिन समस्याओं की जड़ें समाज के आर्थिक और सांस्कृतिक ढांचे में हों, उनका समाधान महज कानून बना कर नहीं किया जा सकता। लेकिन इन गंभीर और मुश्किल सवालों से उलझने का साहस ना हो, तो फिर हर वीभत्स घटना पर राजनीतिक दिखावा ही एकमात्र रास्ता बच जाता है। यही रास्ता ममता बनर्जी की सरकार ने अपनाया है। चूंकि विपक्ष- खासकर भारतीय जनता पार्टी के लिए भी कोलकाता की घटना सिर्फ राजनीतिक लाभ हासिल करने का जरिया है, अतः उसके पास भी कोई सार्थक सुझाव नहीं है। इसीलिए पार्टी ने विधेयक का समर्थन किया है।

(आरएनएस)

नजरिया

हड़ताल पर क्यों डटे कुछ डॉक्टर

अब देखना होगा कि शीर्ष अदालत क्या फैसला करती है। डॉक्टरों के लगातार तेज होते आंदोलन के कारण त्योहार के सीजन में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली ने सरकार को भी कठघरे में खड़ा कर दिया है। ऐसे में, ममता बनर्जी सरकार की उम्मीदें भी अब सुप्रीम कोर्ट पर ही टिकी हैं।

प्रभाकर मणि तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में 9 अगस्त को सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज व अस्पताल में एक जूनियर डॉक्टर की रेप के बाद हत्या कर दी गई थी। इस घटना को एक महीना से ज्यादा बीत गया है, लेकिन पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फ्रंट के बैनर तले इस मामले में न्याय की मांग कर रहे अस्पताल के जूनियर डॉक्टरों के आंदोलन और काम बंद के कारण उपजा गतिरोध टूटने के बजाय लगातार तेज हो रहा है। इस आंदोलन के कारण अब तक 23 मरीजों की मौत हो चुकी है और 70 हजार से भी ज्यादा को समुचित इलाज नहीं मिल सका है। राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दायर अपने हलफनामे में यह दावा किया है। इसके अलावा मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी अपनी प्रेस कांफ्रेंस में यह बात दोहराई है।

सोमवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने भी जूनियर डॉक्टरों से मंगलवार शाम पांच बजे तक काम पर लौटने को कहा था, लेकिन आंदोलनकारी डॉक्टरों ने साफकर दिया है कि उनकी मांगें पूरी नहीं होने और इस मामले में न्याय नहीं मिलने तक आंदोलन जारी रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि तय समय सीमा के भीतर काम पर लौटने वालों के खिलाफ राज्य सरकार कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं करेगी, मगर यदि डॉक्टर काम पर नहीं लौटे, तो सरकार की किसी कार्रवाई में वह हस्तक्षेप नहीं करेगा। डॉक्टर अपनी मांग पर अड़े हुए हैं। जूनियर डॉक्टरों ने मंगलवार दोपहर को कोलकाता से सटे साल्टलेक इलाके में एक रैली निकालकर स्वास्थ्य भवन, जो स्वास्थ्य विभाग का मुख्यालय है, का घेराव किया। उनके हाथों में 'वी डिमांड जस्टिस' लिखी तख्तियां और पोस्टर तो थे ही, उनके हाथों में एक खोपड़ी भी थी। आंदोलनकारी डॉक्टरों की दलील थी कि यह खोपड़ी दिमाग का परिचायक है। इसका मकसद सरकार को यह संदेश देना है कि वह डॉक्टरों के इस आंदोलन के बारे में झूठ फैलाने के बजाय दिमाग से काम ले।

आंदोलनकारी डॉक्टरों का कहना है कि राज्य सरकार और सुप्रीम कोर्ट को यह बात समझनी चाहिए कि यह आम लोगों का आंदोलन है और मांगें पूरी नहीं होने तक इसके खत्म होने की कोई संभावना नहीं है। इस लंबे आंदोलन से राज्य की पहले से ही लचर स्वास्थ्य सेवाएं और बदहाल हो गई हैं। सरकारी अस्पतालों में मरीजों के इलाज का ज्यादातर काम इन जूनियर डॉक्टरों के ही जिम्मे होता है। पश्चिम बंगाल के दूरदराज के जिलों से रोजाना सैकड़ों मरीज इलाज के लिए कोलकाता के सरकारी अस्पतालों में पहुंचते हैं, लेकिन इस मुद्दे पर जारी गतिरोध के कारण उनको स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल रही हैं। नतीजतन दो-चार दिनों के इंतजार के बाद उनको खाली हाथ ही लौटना पड़ रहा है।

इन डॉक्टरों की दलील है कि उनका आंदोलन गैर-राजनीतिक है। बीच में भाजपा, सीपीएम और कांग्रेस ने इसमें शामिल होने की कोशिश जरूर की थी, लेकिन इन डॉक्टरों ने उनका समर्थन लेने से साफ इनकार कर दिया। सीबीआई जांच हो रही है, सर्वोच्च न्यायालय सुनवाई कर रहा है, इसके बावजूद आखिर जूनियर डॉक्टरों की इस नाराजगी की वजह क्या है? दरअसल, उनकी पांच मांगें अभी तक पूरी नहीं हो सकी हैं। ये लोग उस घटना के दोषियों की शिनाख्त कर उनको कड़ी से कड़ी सजा देने, सुबूत मिटाने की कोशिश करने वालों की पहचान करके उनको सजा देने, कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल के इस्तीफे, राज्य के तमाम मेडिकल कॉलेजों, अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में तैनात डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने व तमाम मेडिकल कॉलेजों में भयमुक्त लोकतांत्रिक माहौल तैयार करने की मांग कर रहे हैं। इसके साथ ही, उन्होंने स्वास्थ्य सचिव, चिकित्सा शिक्षा निदेशक और स्वास्थ्य निदेशक के इस्तीके की भी मांग उठाई है। इतनी मांगें पूरी होंगी, तभी डॉक्टर काम पर लौटेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के काम पर लौटने के निर्देश के बाद जूनियर डॉक्टरों के संगठन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि अगर राज्य सरकार मंगलवार शाम पांच बजे तक इन मांगों को पूरा नहीं करती है, तो यही माना जाएगा कि सरकार इस गतिरोध को दूर करने की इच्छुक नहीं है। ऐसे में, राज्य सरकार ही जिम्मेदार होगी।

डॉक्टरों का यह आंदोलन सरकार के लिए गले की फांस बन गया है। इलाज के अभाव में लोगों की मौत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कोलकाता के पुलिस आयुक्त के इस्तीफे की डॉक्टरों की मांग का जिक्र करते हुए कहा है कि वह खुद इस्तीफा देना चाहते हैं, पर अगले महीने राज्य के सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा के दौरान किसी अनुभवी अधिकारी का इस पद होना जरूरी है, ताकि कानून और व्यवस्था की स्थिति कायम रखी जा सके। ममता ने कोलकाता पुलिस को भी क्लीन चिट देकर आंदोलनकारी डॉक्टरों को और नाराज कर दिया है। डॉक्टरों ने अब आंदोलन के नारे को 'वी वांट जस्टिस' से बदलकर 'वी डिमांड जस्टिस' कर दिया है।

राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि डॉक्टरों के इस आंदोलन के कारण पूरे राज्य में ममता सरकार की छवि खराब हो रही है। आम लोगों में यही संदेश जा रहा है कि राज्य सरकार और कोलकाता पुलिस की लापरवाही के मुद्दे पर डॉक्टरों के इस आंदोलन के कारण ही उनको स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित होना पड़ रहा है। पर्यवेक्षकों के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद अब डॉक्टर अगर काम पर नहीं लौटते हैं, तो इस गतिरोध को दूर करने की जिम्मेदारी भी उसी पर आ जाएगी। अब देखना होगा कि शीर्ष अदालत क्या फैसला करती है। डॉक्टरों के लगातार तेज होते आंदोलन के कारण त्योहार के सीजन में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली ने सरकार को भी कठघरे में खड़ा कर दिया है। ऐसे में, ममता बनर्जी सरकार की उम्मीदें भी अब सुप्रीम कोर्ट पर ही टिकी हैं।

दूसरी ओर, आम लोग भी इस मुद्दे पर लगातार आंदोलन कर रहे हैं। 'रिक्लेम द नाइट' शीर्षक अपील के तहत बीते 14 अगस्त की आधी रात को जिस तरह राज्य के विभिन्न शहरों में बड़े पैमाने पर महिलाओं का जमावड़ा हुआ था, उसकी दूसरी कोई मिसाल नहीं मिलती। इसी तरह, बीते रविवार को भी कोलकाता समेत पूरे राज्य में यही सब दोहराया गया। आम लोगों का इस तरह सड़कों पर उतरना भी सरकार के लिए सिरदर्द बन गया है, लेकिन फिलहाल उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता जूनियर डॉक्टरों का आंदोलन खत्म कर उनको काम पर लौटाना है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

अमेरिका में लगातार बिगड़ती आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति

कालचक्र का बदलता स्वरूप

प्रहलाद सबनानी, (सेवा निवृत्त उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक)

विश्व में कई गतिविधियां एक चक्र के रूप में चलती रहती है। एक कालखंड के पश्चात चक्र कभी नीचे की ओर जाता है एवं एक अन्य कालखंड के पश्चात यह चक्र कभी ऊपर की ओर जाता हुए दिखाई देता है। विदेशी व्यापार के मामले में वर्ष 1750 तक पूरे विश्व में भारत की तूती बोलती रही है, परंतु इसके पश्चात यूरोपीयन देशों ने विस्तारवादी नीतियों के चलते अपने आर्थिक हित साधते हुए विभिन्न देशों पर अपना कब्जा जमा लिया। ब्रिटेन, फ्रांस, डच जैसे देशों ने एशियाई देशों एवं कुछ अफ्रीकी भू भाग पर पर अपना कब्जा जमाया तो स्पेन आदि देशों ने अमेरिकी महाद्वीप पर अपना कब्जा जमाया। समय के साथ चक्र कुछ इस प्रकार चला कि वर्ष 1950 आते आते अमेरिका पूरे विश्व में सबसे अमीर देशों की श्रेणी में शामिल हो गया और ब्रिटेन, जिसके बारे में कभी कहा जाता था कि ब्रिटेन की महारानी के राज्यों में सूरज कभी डूबता नहीं है, का आर्थिक दृष्टि से ढलान शुरू हो गया और आज ब्रिटेन के आर्थिक एवं सामाजिक ढांचे की स्थिति हम सभी के सामने है। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था हाल ही में पूरे विश्व में छठे स्थान पर पहुंच गई है तथा अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी के पश्चात भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। जबकि वर्ष 1750 के पश्चात जब ब्रिटेन ने भारत पर अपना कब्जा स्थापित कर लिया था उसके बाद भारत की स्थिति यहां तक बिगड़ी थी कि पूरी विश्व की अर्थव्यवस्था में भारत के विदेश व्यापार की हिस्सेदारी वर्ष 1750 के 32 प्रतिशत से घटकर वर्ष 1947 में 3 प्रतिशत के नीचे आ गई थी। परंतु, एक बार फिर कालचक्र अपना रंग दिखाता हुआ नजर आ रहा है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था के साथ ही वहां का सामाजिक ताना बाना भी छिन्न भिन्न होता हुआ दिखाई दे रहा है। दरअसल, अमेरिका ने पूंजीवादी नीतियों को अपनाकर अपने नागरिकों में केवल आर्थिक उन्नति को ही विकास के एकमात्र मार्ग के रूप में चुना था, इससे वहां के नागरिकों में किसी भी प्रकार से धन अर्जन करने की प्रवृत्ति विकसित हुई एवं सामाजिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक ताना बाना छिन्न भिन्न हो गया। परिवार व्यवस्था समाप्त हो गई जिसका परिणाम आज हमारे सामने हैं कि आज अमेरिका में नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजना, मेडीकेयर योजना, मेडीकैड योजना, प्रौढ़ नागरिकों को सुविधाएं एवं केंद्र (फेडरल) सरकार के कर्मचारियों को अदा की जा रही पेंशन, आदि योजनाएं सरकार द्वारा नागरिकों के हितार्थ अमेरिका में चलानी पड़ रही हैं। इन योजनाओं पर खर्च किए जा रहे 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि का लाभ करोड़ों अमेरिकी नागरिक प्रतिवर्ष उठा रहे हैं। यह राशि अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद का 14 प्रतिशत है। सुरक्षा की मद पर भी अमेरिका द्वारा 70,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का खर्च प्रतिवर्ष किया जाता है। बेरोजगारी बीमा लाभ योजना पर भी भारी भरकम राशि अमेरिकी सरकार द्वारा प्रतिवर्ष खर्च की जाती है। अमेरिका में सेवा निवृत्त हो रहे कर्मचारियों की संख्या लगातार बढ़ रही है जिसके कारण इस मद पर व्यय की जाने वाली राशि में भी बेतहाशा वृद्धि हो रही है, साथ ही लगातार बढ़ रहा सुरक्षा खर्च, स्वास्थ्य सेवाओं पर व्यय की लगातार बढ़ रही राशि के बीच वर्तमान में कर की दरों में वृद्धि नहीं करने के कारण बजटीय घाटे पर दबाव बढ़ता जा रहा है। इकोनोमिक रिपोर्ट आफ द प्रेजीडेंट के अनुसार अमेरिका में वर्ष 2000 में 23,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का बजट आधिक्य था जो वर्ष 2001 में घटकर 12,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया। परंतु, वर्ष 2002 में एक बार जो 15,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का बजट घाटा प्रारम्भ हुआ तो इसके बाद से वह बढ़ता ही गया है। वर्ष 2009 में तो बजट घाटा बढ़कर 141,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया, वर्ष 2010 में 129,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2011 में 130,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2012 में 108,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं वर्ष 2020 में 313,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2021 में 277,000 करोड़ अमेरिको डॉलर एवं वर्ष 2022 में 188,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है।

अमेरिका में प्रति परिवार वास्तविक औसत आय वर्ष 1973 में (वर्ष 2015 में डॉलर की कीमत पर) 50,000 अमेरिकी डॉलर थी। अमेरिका के लगभग आधे परिवारों की वास्तविक औसत आय 50,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक थी एवं शेष आधे परिवारों की 50,000 अमेरिकी डॉलर से कम थी, जिससे आय की असमानता आज की तुलना में कम दिखाई देती थी। वर्ष 1973 से वर्ष 2015 तक अमेरिका में उत्पादकता में 115 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि परिवारों की औसत आय (मुद्रा स्फीति के समायोजन के बाद) केवल 11 प्रतिशत ही बढ़ी है। यह भी, इस बीच, अमेरिकी महिलाओं को भारी मात्रा में प्रदान किए गए रोजगार के अवसरों के चलते सम्भव हो पाया है। इस प्रकार, मुद्रा स्फीति के समायोजन के पश्चात, अमेरिका में वर्ष 1973 के पश्चात औसत आय में वृद्धि नगण्य ही रही है। वर्ष 1973 से वर्ष 2007 के बीच अमेरिकी मध्यवर्गीय परिवारों ने उपभोग पर औसत खर्च को दुगने से भी अधिक कर दिया है। जिसके कारण इन परिवारों की बचत दर 10 प्रतिशत से घट कर 2 प्रतिशत हो गई है। बल्कि कई परिवारों को तो अपने मकानों पर ऋण लेकर एवं क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण लेकर भी काम चलाना पड़ रहा हैं।

जोसेफ शूम्पटर के अनुसार अमेरिका में कार ने घोड़ा गाड़ी को खत्म कर दिया एवं कम्प्यूटर ने टाइपराइटर को खत्म कर दिया। इसे रचनात्मक विनाश (क्रीएटिव डेस्ट्रक्शन) का नाम दिया गया, क्योंकि इससे उत्पादकता का स्तर बढ़ा था, परंतु रोजगार के लाखों अवसर समाप्त हो गए थे। अमेरिका में आज 5 में से 4 रोजगार के अवसर, सेवा क्षेत्र में उत्पन्न होते हैं, जहां तुलनात्मक रूप से आय कम है। कृषि एवं उद्योग (विनिर्माण सहित) क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बहुत कम मात्रा में उपलब्ध हो पा रहे हैं। 60 वर्ष पूर्व तक अमेरिका विदेशी व्यापार के मामले में आत्मनिर्भर था। अमेरिका में विभिन्न उत्पादों का जितना उपभोग होता था उन लगभग समस्त उत्पादों का उत्पादन भी अमेरिका में ही होता था। बल्कि, विदेशी व्यापार के मामले में तो उस समय अमेरिका के पास विदेश व्यापार आधिक्य शेष रहता था। आज अमेरिका में विभिन्न उत्पादों का जितना उत्पादन होता है उससे कहीं अधिक उपभोग होता है।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नेता सत्ता में रहते है तो चुप क्यों रहते हैं...

सुनील दास

कहा जाता है कि भ्रष्टाचार सबसे ज्यादा संक्रामक बीमारी है। बहुत तेजी से फैलती है। जैसे ही पता चलता है कि ऊपर का आदमी भ्रष्ट है, सरकार का मुखिया भ्रष्ट है,ऊपर से नीचे तक भ्रष्टाचार फैलता चला जाता है।सब सोचते हैं कि जब ऊपर वाला ही कमा रहा है तो हम क्यों न कमाएं।ऊपर वाले के कमाने के कारण नीचे वालों को भी कमाने का अधिकार मिल जाता है।ऊपर वाला अपनी पार्टी के लिए कमाता रहता है क्योंकि पार्टी ने उसे पद दिया है तो पद की कीमत तो चुकानी पड़ती है, ऊपर वाले ने मंत्री पद दिया है तो मंत्री पद की कीमत तो चुकानी पड़ती है। सब कमाते रहते हैं, सब चुप रहते हैं।सब कीमत चुकाते रहते हैं, जितना बड़ा पद उतनी ही बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। सब कमाते हुए सोचते हैं, इसका पता तो किसी को चलेगा नहीं,लेकिन खांसी,खुशी,खुश्बू की तरह भ्रष्टाचार कभी न कभी सामने आ ही जाता है।खासकर सत्ता जब चली जाती है तो पता चलता है कि किस किस ने कैसे कमाया है, किस किस ने क्या क्या भ्रष्टाचार किए हैं। सबकी पोल खुलने लगती है, अखबारों में भ्रष्टाचार, घोटाले व घपले की कहानियां छपने लगती हैं तो पता चलता है कि जो सत्ता में रहते बगुला भगत दिखते थे, सत्ता से उतरते हैं तो पता चलता है कि वह तो कौव्वे हैं। काली कमाई करने वाले कौव्वे।

कौव्वों को बहुत सारे काम करने के अधिकार होते हैं, यानी वह काम करने वाले होते हैं,उनको अपने विभाग में किसी को नौकरी लगाने का अधिकार होता है,अपने विभाग को ठेका देने का अधिकार होता है। बिल पास करने का अधिकार होता है, बहुत सारे काम उनके एक इशारे पर, एक फोन पर होते हैं तो उनके आस पास ऐसे लोगों की भीड़ लग जाती है जो काम कराने वाले होते हैं।काम करने वाले बड़े आदमी होते हैं,वह काम करने का हर किसी से पैसा मांग तो नही सकते,इसलिए एक बड़ा आदमी के आसपास बहुत सारे छोटे-छोटे आदमी होते हैं,वह काम कराने वाले होते हैं,वह अक्सर बड़े नेता के आसपास ही दिखते हैं,उनके साथ उनकी फोटो होती है,पहले वह खुद को बड़ा आदमी का खास आदमी कहते हैं, उसके बाद सब उन्हें बड़े आदमी का खास आदमी कहा जाता है, कहा जाता है, इसलिए लोग मान लेते हैं कि वह खास आदमी है तो सब काम करा सकता है।

बड़े आदमी से, मंत्री से काम कराने के लिए वही जाते है, इसलिए कोई बड़ा आदमी मंत्री यह नहीं कह सकता कि वह नहीं जानता कि वह क्या काम करता है, अगर उसने गलत किया है,लोगों से नौकरी लगा देने के लिए करोड़ों रुपए लिए हैं तो उन पर कोई आरोप लगाया जा सकता है। जिसने गलत किया है,आरोप उस पर लगने चाहिए, उसके खिलाफकानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।भ्रष्ट तंत्र में कौन नहीं जानता है कि काम कराने का पैसा नीचे से ऊपर तक जाता है। जो होशियार होते हैं खुद भ्रष्टाचार नहीं करते है, भ्रष्टाचार करने के लिए आदमी रखते हैं, वह लोग भ्रष्टाचार करते हैं,जब वह लोग पकड़े जाते हैं तो यह तो सबको पता चल ही जाता है कि वह किसके आदमी थे, किसके आदमी थे मतलब यही होता है कि किसके लिए भ्रष्टाचार करते। कभी कभी ऐसा भी होता है कि कोई पैसा देने वाला काम नहीं होने पर पैसा वापस भी मांगता है तो नीचे के लोग पैसा हजम हो जाने के कारण वापस नहीं कर पाते हैं। पैसा मांगते मांगते परेशान आदमी खुदकुशी कर लेता है। स्वाभाविक है कि उसे तो पता रहता है किससे काम कराने के नाम पर पैसा मांगा गया था, वह सुसाइड नोट में उसका नाम लिख कर मर जाता है तो सबको पता चल जाता है कि नीचे के लोगों ने किसके नाम पर पैसा लिया था। अब ऊपर वाला लाख कहे कि उसने कुछ नहीं किया है, यह सच है कि नीचे वालों ने जो कुछ किया है, उन्हीं के नाम पर किया है। आदमी खुद गलत न करे लेकिन उसके आसपास के लोग गलत काम करते हैं तो उसकी बदनामी होना स्वाभाविक है। किसी बड़े आदमी की बदनामी होती है तो उसे बुरा नहीं मानना चाहिए क्योंकि उनको अपनी गलती स्वीकार करनी चाहिए कि ऐसे लोगों को अपने आसपास रहने देकर उन्होंने गलती की थी।

अपने आसपास के लोगों को उनके नाम पर गलत काम करने से रोकने की जिम्मेदारी तो उन्हीं की थी,वह चुप रहे, कुछ नहीं कहा,इसीलिए वह गलत काम करते रहे। वह मना कर देते तो क्या उनकी हिम्मत होती उनका नाम लेकर गलत काम करने की।मंत्री के नाम पर गलत काम करने वाले बाहर जनता के सेवक होते हैं, और भीतर मंत्री के सेवक होते हैं। कई तरह की सेवा करते है, इसलिए नेता,मंत्री को बड़े अच्छे लगते हैं। जब मंत्री नेता सत्ता में नहीं रहते हैं पता चलता है कि उनके सेवकों ने जनता की भी खूब सेवा की है। तब उनको बुरा लगता है कि सेवक के साथ उनका नाम क्यों लिया जा रहा है।

(ये लेखक केअपने विचार हैं)

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

ITR फाईल बनवाएं मात्र 499/-

• TDS रिफंड • GST रजिस्ट्रेशन • इनकम TAX फाइल
• प्रोजेक्ट रिपोर्ट • MSME रजिस्ट्रेशन • GST रिटर्न फाइल
• CMA DATE • फूड लाइसेंस • BALANCE SHEET

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं

संपर्क : शेखर गुप्ता, मो. 93007-55544, 8878655544
D-6 सेक्टर-2, गुरुद्वारा के सामने देवेन्द्र नगर रायपुर

खास खबर

अब 31 अक्टूबर 2024 तक होगा राशनकार्ड नवीनीकरण

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशनकार्ड नवीनीकरण हेतु समय सीमा में वृद्धि करते हुए अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2024 तय की गई है। जिला खाद्य अधिकारी से प्राप्त जानकारी अनुसार सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत जिले में प्रचलित राशनकार्डों का नवीनीकरण किया जा रहा है। उक्त अवधि में नवीनीकरण हेतु शेष राशन कार्ड धारक राशनकार्ड का नवीनीकरण अपने संबंधित शासकीय उचित मूल्य दुकान में उपस्थित होकर राशनकार्ड नवीनीकरण का आवेदन कर सकते हैं। तिथि 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। अधिक जानकारी के लिए खाद्य विभाग से कार्यालयीन समय में सम्पर्क किया जा सकता है।

इंडक्शन कार्यक्रम के तहत प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली पर एक व्याख्यान का आयोजन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई के विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग में नव प्रवेशी छात्रों के लिए आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम के तहत प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में एनआईटी रायपुर के डॉ. रजना सुरेश उपस्थित थे। जिन्होंने अपने विचारों से छात्रों को भारतीय प्राचीन ज्ञान की गहराई और व्यापकता से अवगत कराया। डॉ. सुरेश ने बताया कि हमें अपनी सांस्कृतिक और वैज्ञानिक धरोहर पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने भारतीय गणना पद्धति पर प्रकाश डालते हुए समझाया कि शून्य और दशमलव की खोज भारत की ही देन है, जिसने पूरे विश्व के गणितीय ज्ञान को एक नया आयाम दिया। उन्होंने संस्कृत श्लोकों और प्राचीन ग्रंथों को समझने की आवश्यकता पर बल दिया, क्योंकि इन ग्रंथों में निहित ज्ञान आज भी प्रासंगिक है। विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों, जैसे चिकित्सा, खगोल विज्ञान, भूगोल और रसायन शास्त्र, में भारतीय योगदान पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि हमारे प्राचीन ज्ञान ने इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। डॉ. सुरेश ने रामायण और महाभारत जैसे प्राचीन ग्रंथों से भी उदाहरण प्रस्तुत किए, जिनसे यह स्पष्ट हुआ कि भारतीय सभ्यता का ज्ञान बहु–आयामी और समृद्ध था। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा ने न केवल वैज्ञानिक और तकनीकी विकास में योगदान दिया, बल्कि नैतिक और आध्यात्मिक दिशा भी दी।

निकायों की मतदाता सूची पुनरीक्षित कार्य हेतु अधिकारी नियुक्त

दुर्ग। नगर पालिकाओं के आम/उप निर्वाचन हेतु जिले के निकायों की मतदाता सूचियां एक जनवरी 2024 की संदर्भ तिथि के आधार पर तैयार/पुनरीक्षित किया जाना है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने छत्तीसगढ़ नगर पालिका निर्वाचन अधिनियम 1994 के वैधानिक प्रावधानों में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले में नगरीय निकायों की मतदाता सूची तैयार करने अधिकारियों को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक रजिस्ट्रीकरण तथा अपीलीय अधिकारी नियुक्त किया है। जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार नगर पालिक निगम दुर्ग, भिलाई, रिसाली एवं नगर पंचायत उतई के लिए अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और तहसीलदार दुर्ग, नायब तहसीलदार भिलाई नगर, अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग, नायब तहसीलदार दुर्ग सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी होंगे तथा अपर कलेक्टर दुर्ग अपीलीय प्राधिकारी होंगे। इसी प्रकार नगर पालिका परिषद अहिवारा एवं नगर पंचायत धमधा के लिए अनुविभागीय अधिकारी (रा.) धमधा रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और तहसीलदार अहिवारा, नायब तहसीलदार धमधा सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा अपर कलेक्टर दुर्ग अपीलीय प्राधिकारी होंगे। नगर पालिका परिषद अमलेश्वर एवं नगर पंचायत पाटन के लिए अनुविभागीय अधिकारी (रा.) पाटन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और तहसीलदार पाटन, नायब तहसीलदार पाटन सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा अपर कलेक्टर दुर्ग अपीलीय प्राधिकारी होंगे। नगर पालिक निगम चरौदा भिलाई के लिए अनुविभागीय अधिकारी (रा.) भिलाई–3 रजिस्ट्रीकरण अधिकारी और तहसीलदार भिलाई–3 सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी तथा अपर कलेक्टर दुर्ग अपीलीय प्राधिकारी होंगे।

राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा स्पर्धा का समापन

सांसद बघेल ने कहा- सफलता पाने के लिए हमेशा करते रहना चाहिए प्रयास

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता 2024 का शुक्रवार को भिलाई विद्यालय सेक्टर–2 परिसर में रंगारंग समापन हुआ। समापन समारोह में राज्य से विभिन्न संभागों के प्रतिभागी खिलाड़ियों ने बैण्ड की धुन पर आकर्षक मार्चपास्ट किया। मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने आयोजन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य के संभागों बस्तर, रायपुर, सरगुजा, बिलासपुर व दुर्ग से विभिन्न खेलों में शामिल प्रतिभागी खिलाड़ी बच्चों का खेल प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। सफ्लता पाने के लिए हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि यह खिलाड़ी राज्य के साथ पूरे देश का नाम रौशन करेंगे। उन्होंने कहा कि केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करने लगातार कदम उठाये जा रहे हैं। जिससे खिलाड़ियों और खेल के प्रति सकारात्मक वातावरण निर्मित हुआ। उन्होंने प्रतियोगिता में प्रतिभागी सभी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता के समापन पर उन्होंने खेल ध्वज अवतरण कर खेल प्रभारी को सौंपा और अपने करकमलों से विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किया।

समारोह में पहुंचे दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने कहा कि पढ़ाई के साथ–साथ खेल का भी बहुत महत्व है। उन्होंने कहा कि सभी प्रतिभागी बच्चों ने अच्छा खेल का प्रदर्शन किया है। सभी खेल में प्रदर्शन के बदौलत देश में अपना पहचान स्थापित करें।

स्पर्धा में 980 स्कूली बच्चों ने लिया भाग

24वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 10 से 13 सितम्बर 2024 तक दुर्ग–भिलाई में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में योगा 14, 17 व 19 बालक–बालिका, बाक्सिंग 14, 17 व 19 बालक–बालिका, टेबल टेनिस 19 बालक–बालिका, जुडो 14, 17 व 19 बालक–बालिका, लॉन टेनिस 14,17 व 19 बालक–बालिका और साइकिलिंग (ट्रेक) 14, 17 व 19 बालक–बालिका खेलों का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ के कुल 5 संभाग रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, सरगुजा और बस्तर संभाग के कुल 980 स्कूली बच्चे भाग लिये।

राज्यस्तीय शालेय खेलों में ऐसा रहा प्रदर्शन

बाक्सिंग बालक 14 वर्ष के प्रतिभागी दुर्ग संभाग से प्रथम , द्वितीय बिलासपुर संभाग, तृतीय रायपुर संभाग। बाक्सिंग बालक 17 वर्ष के प्रतिभागी दुर्ग संभाग से प्रथम, बिलासपुर से द्वितीय, रायपुर से तृतीय।

बाक्सिंग बालक 19 वर्ष के प्रतिभागी दुर्ग संभाग से प्रथम, बिलासपुर से द्वितीय, बस्तर से तृतीय।

योगा बालक 14 वर्ष के प्रतिभागी रायपुर संभाग से प्रथम, दुर्ग से द्वितीय, बिलासपुर से तृतीय।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 31 हितग्राहियों ने ऋण लोन के लिए जमा किया कागजात

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना मोर मकान–मोर आस घटक अंतर्गत हितग्राहियो के लिए आज लोन मेला का आयोजन किया गया था।हितग्राहियों ने डाटा सेंटर पहुँचकर बैंक का नाम आईआई एफ्एल होम लोन भिलाई, आई सी आई सी आई बैंक लिमिटेड, आवास फइनेंस दुर्ग,स्वतंत्र माइक्रो फइनेंस लिमिटेड दुर्ग–भिलाई से 50 लोगो ने ऋण के संबंध में बैंको से जानकारी ली एवं 31 हितग्राहियों ने अपने दस्तावेज जमा कराए ऋण लेने के लिए बैंक को दस्तावेज देकर लोन के लिए अप्लाई किया गया।नगर निगम में प्रधानमंत्री आवास शाखा से पोटियाकला के हितग्राहियों द्वारा पहले 10त्नकी राशि जमा की गई है और बाकी राशि जमा करने के लिए द्वितीय सूचना पत्र जिसमे 15 दिवस के अंदर सम्पूर्ण राशि जमा करने कहा गया है, अभी तक 80 हितग्राहियों ने बैंक एवम अन्य माध्यम से राशि जमा करने का कार्यवाही की है शेष बचे हितग्राहियों राशि जमा नहीं करने की स्थिति में आवास का आबंटन निरस्त कर दिया जायेगी! ऐसे हितग्राही किरायेदार के रूप में निवासरत, बेघर परिवारो को आवास प्रदान करने के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया था। हितग्राहियो द्वारा 10 प्रतिशत अंशदान राशि जमा उपरांत लॉटरी में भाग लेकर मकान अपने नाम आबंटित कराया गया है।आबंटन की शेष 90 प्रतिशत राशि जमा करना अनिवार्य है।ततपश्चात मकान का अधिपत्य पत्र सौंपा जाता है। अधिकांश हितग्राही आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण शेष 90 प्रतिशत राशि जमा नही कर पाते ऐसे हितग्राहियो के लिए लोन मेला लगाया जा रहा है।

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय को मिला नया कुलपति

संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने संभाला पदभार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। दुर्ग संभाग आयुक्त सत्यनारायण राठौर ने 13 सितम्बर 2024 की संध्या 7 बजे हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के नये कुलपति के रूप में पदभार संभाला। इस विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. अरूणा पल्टा का कार्यकाल कुलपति के रूप में 12 सितम्बर 2024 को समाप्त होने के पश्चात् राजभवन के आदेशानुसार नये कुलपति के रूप में संभाग आयुक्त राठौर को विश्वविद्यालय के कुलपति का दायित्व सौंपा गया है।

इस अवसर पर हेमचंद विश्वविद्यालय के कुलसचिव कुलदीप एवं विश्वविद्यालय प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। नये कुलपति राठौर के विश्वविद्यालय परिसर पहुंचने पर कुलसचिव कुलदीप ने विश्वविद्यालय परिवार की ओर से पुष्प गुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। कुलपति के पदभार ग्रहण करने के पश्चात् संभाग आयुक्त श्री राठौर ने विश्वविद्यालय के कुल सचिव एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों के साथ रू–ब–रू चर्चा कर हेमचंद विश्वविद्यालय के गतिविधियों के संबंध में जानकारी ली।

वजन त्यौहार का संयुक्त संचालक ने किया अवलोकन

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलायी जा रही वजन त्यौहार का विभाग के संयुक्त संचालक डी.एस. मरावी ने निरीक्षण किया। उन्होंने परियोजना जामगांव एम तथा पाटन के आंगनबाड़ी केंद्र झीट 01, खुड़मुड़ी 03, तेलीगुंडरा 05, पाटन 02 में वजन त्योहार आयोजन का अवलोकन किया। इस दौरान झीट में जनपद अध्यक्ष राम बाई सिन्हा, सरपंच शशिकला सिन्हा उपस्थित थीं। खुड़मुड़ी में सरपंच तथा तेलीगुंडरा में उपसरपंच उपस्थित थे।

भ्रमण के दौरान उन्होंने प्रति केंद्र में बच्चे के वजन ऊंचाई माप के उपरांत पोषण ट्रैकर एप में एंट्री का मिलान भी किया तथा माताओं से बच्चे के विकास पर नजर रखने के संबंध में चर्चा की। झीट में कार्यकर्ता ने संयुक्त संचालक के समक्ष पालकों को सामुदायिक ग्रोथ चार्ट से बच्चे के विकास की स्थिति जानने की प्रक्रिया समझायी। ग्राम तेलीगुंडरा में एक बच्चे के डायबिटीज की जानकारी कार्यकर्ता ने दी इस पर उन्होंने पर्यवेक्षक को उसके स्वास्थ्य परीक्षण का निर्देश दिया। हितग्राहियों के वजन त्योहार आमंत्रण कार्ड लेकर आने पर संतोष व्यक्त किया तथा पाटन के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 2 में परिसर में लगे पोषण बाड़ी की सराहना की।

संयुक्त संचालक ने केंद्रों में रनिंग वाटर व्यवस्था, फोर्टीफइड तेल, साफसफई तथा पाटन 02 में गर्म भोजन का अवलोकन भी किया। तेलीगुंडरा में वजन त्योहार आमंत्रण लेकर आए हितग्राहियों से चर्चा कर प्रसन्नता व्यक्त की। भ्रमण के दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी अजय शर्मा, परियोजना अधिकारी सुमीत गण्डेचा, पर्यवेक्षक स्वीटी सोनवानी, अंजुम ठाकुर, झरना दास, कंचन महतो तथा स्थानीय कार्यकर्ता सहायिका उपस्थित थे।

सलाहकार समिति की बैठकः समूह की महिलाओं को रोजगारमुखी बनाने हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई के राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन विभाग से संबंधित कार्यो की समीक्षा हेतु गुरूवार को सलाहकार समिति की बैठक बुलाई गई। इस दौरान प्रभारी सदस्य एवं समिति के सदस्यो की उपस्थिति में राष्ट्रीय शहरी अजीविका मिशन से संचालित हो रही योजनाओं के बारे में विस्तृत चर्चा की गई।

निगम क्षेत्र अंतर्गत स्व–सहायता समूह की महिलाओं को कैसे एक्टिव किया जाए, उन्हे कैसे रोजगारमुखी बनाया जाए एवं उनकी आर्थिक स्थिति में कैसे सुधार किया जाए, जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इस योजना से समूह की महिलाओ को कैसे अपना रोजगार बढ़ाए, जिससे उनके आय में भी वृद्धि हो इसे समझाया गया। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में इन जगहो पर संचालित हो रहा है बर्तन बैंक। जिसमे प्रमुख रूप से माडल टाउन जोन 01 भिलाई में राजेश्वरी क्षेत्र स्तरीय समिति, हाउसिंग बोर्ड कोहका में राजा राममोहन राय क्षेत्र स्तरीय समिति, सुपेला बाजार में दीपज्योति क्षेत्र स्तरीय समिति, हाउसिंग बोर्ड जोन 02 भिलाई में अनुपमा क्षेत्र स्तरीय समिति, शारदा पारा जोन 03 भिलाई में आशा किरण क्षेत्र स्तरीय समिति, सेक्टर 02 जोन 03 भिलाई में सत्यम शिवम स्व सहायता समूह, खुर्सीपार जोन 04 भिलाई में लाल बहादुर शास्त्री, धरणी, आजीविका मिशन, भूईया क्षेत्र स्तरीय समिति, छावना जोन 04 भिलाई में भगत सिंग क्षेत्र स्तरीय समिति एवं सेक्टर 06 जोन 05 भिलाई में वंदे मारतम क्षेत्र स्तरीय समिति। इसी तारतम्य में नगर पालिक निगम भिलाई में 100 सहायता समूह की महिलाओं द्वारा 13 बर्तन बैंक चलाए जा रहे है।इस योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगो तक कैसे पहुंचाया जाए उसके लिए योजना बनाई गई। बर्तन बैंक का उददेश्य है कि मोहल्ले के लोग छठी कार्यक्रम, जन्म दिन, छोटा–मोटा प्रित भोज में वह बर्तन को किराये पर ले जाए। बर्तनो को आवश्यकतानुसार उपयोग में लाने के बाद उसे धोकर, साफ्-सुथरा कर वापस करे दे। कार्यक्रम के लिए लोगो को साफ्-सुथरा बर्तन मिले इसी उददेश्य से बर्तन बैंक बनाया गया है। जिसका उपयोग हम लोग अच्छे से कर सके इन सबको अच्छे से प्राथमिकता देने के लिए सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई।

बार एंड रॉड मिल ने दैनिक उत्पादन का रचा नया कीर्तिमान

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल–भिलाई इस्पात संयंत्र की उच्च स्तरीय स्वचालन और नियंत्रण प्रणालियों से सुसज्जित मॉडेक्स इकाई बार एंड रॉड मिल ने 12 सितम्बर 2024 को किसी भी टीएमटी प्रोफइल के लिए अब तक का सर्वश्रेष्ठ दैनिक उत्पादन का कीर्तिमान बनाया। 12 सितम्बर 2024 को बीआरएम की ऊर्जावान टीम ने 20 एमएम टीएमटी बार में 4120 टन का उत्पादन करते हुए 2002 बिलेट्स की रोलिंग की। एक दिन में 2000 बिलेट्स रोलिंग के इस अत्यंत चुनौतीपूर्ण लक्ष्य को विभाग की टीम ने सामूहिक प्रयास से पूरा किया। इसी के साथ मिल ने 04 जुलाई 2024 को दर्ज 1978 बिलेट्स (4078 टन) रोलिंग के रिकॉर्ड को पार किया।

बार एवं रॉड मिल, 06 सितंबर से 11 सितंबर तक इमरजेंसी मेजर रिपेयर में लिया गया था। इस वृहद रिपेयर कार्य के पश्चात मिल ने स्टेबलाईजेशन और रैम्प–अप में न्यूनतम समय लेकर अगले ही दिन सर्वश्रेष्ठ दैनिक उत्पादन का कीर्तिमान स्थापित किया। टीम बीआरएम की इस उपलब्धि पर भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता तथा कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार ने शॉप फ्लोर पर पहुंचकर बीआरएम बिरादरी और सभी संबद्ध शॉप्स को बधाई दी। संयंत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी बीआरएम बिरादरी को बधाई दी।

बार एंड रॉड मिल के विभागाध्यक्ष व मुख्य महाप्रबंधक श्री योगेष शास्त्री ने सामूहिक कार्य और कर्मचारियों के समर्पण को इस सफ्लता का श्रेय देते हुए कहा कि कार्यक्षेत्र में नवीनता, संसाधनों के बेहतर उपयोग तथा उच्चतम स्तर के सुरक्षा मानकों के अनुपालन के फ्लस्वरूप ही यह उपलब्धियां संभव हुई हैं।

उन्होंने निरंतर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सभी संबद्ध शॉप्स और विभागों को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। बार एवं राड मिल के इमरजेंसी मेजर रिपेयर के दौरान विभिन्न सेंट्रल एजेंसियों (सीएमएम, इलेक्ट्रिकल ऑर्गनाइजेशन, रिफ्रेक्ट्री इंजीनियरिंग, ईएमडी तथा अन्य विभाग) ने अपना सराहनीय योगदान दिया और रिपेयर कार्य को नियत समय में पूरा करने में सहयोग प्रदान किया।

फर्स्ट फिनिशिंग ब्लॉक तथा स्टैंड के ग्राउटिंग के चुनौतीपूर्ण कार्यों को भी किया गया। यह मेजर रिपेयर कार्य मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (अनुरक्षण एवं उपयोगिताएं) संजय कुमार गजभिये के नेतृत्व में तथा मुख्य महाप्रबंधक (यांत्रिकी) बी के बेहेरा एवं मुख्य महाप्रबंधक (विद्युत) टी के कृष्णकुमार के मार्गदर्शन में सफ्लतापूर्वक पूरा हुआ। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि हेतु बीआरएम विभाग के महाप्रबंधकगण सच्चिदानंद त्रिपाठी, आशीष, शिखर तिवारी तथा अन्य सभी वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी कार्मिकों को बधाई दी।

Since 1972

CROWN® - TV

Choice Of Millions

LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Maa Durga Electronics 9827183839

Rohit Electronics 94242-02866

Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361

Authorised Distributers For Chhattisgarh

Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

12वीं द्वितीय परीक्षा के नतीजे जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने दसवीं, बारहवीं द्वितीय परीक्षा के नतीजे जारी कर दिया है। बता दें, नई शिक्षा पॉलिसी के तहत सप्लमेंट्री की बजाए दो बार मुख्य परीक्षा आयोजित की जाएगी। द्वितीय मुख्य परीक्षा में करीब 35 हजार विद्यार्थी शामिल हुए थे। इस www.cgbse.nic.in लिंक से छात्र अपना रिजल्ट देख सकते हैं।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित हायर सेकण्डरी स्कूल सर्टिनिफकेट द्वितीय मुख्य/अवसर परीक्षा वर्ष 2024 में कुल 37,578 परीक्षार्थी पंजीकृत हुये। इनमें से 35,616 परीक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुये, जिनमें से 18,250 बालक तथा 17,366 बालिकायें सम्मिलित हुई, जिनमें से 35,615 परीक्षार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित किये गये। घोषित परीक्षा परिणाम में से उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की कुल संख्या 11,609 है अर्थात् कुल 32.59 प्रतिशत परीक्षार्थी उत्तीर्ण हुये। उत्तीर्ण बालिकाओं का प्रतिशत 33.47 तथा बालकों का प्रतिशत 31.75 है।

परीक्षा परिणाम घोषित परीक्षार्थियों में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 3,033 (8.52 प्रतिशत) है, द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 7,823 (21.96 प्रतिशत) है तथा तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 752 (2.11 प्रतिशत) है। 01 परीक्षार्थी पास श्रेणी में उत्तीर्ण हुये हैं। 01 परीक्षार्थी के परिणाम नकल प्रकरण की श्रेणी में रोका गया है।

नगरीय निकाय चुनाव की सुगबुगाहट हुई तेज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में राजनीतिक पार्टियों ने नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के लिए

तैयारियां तेज कर दी हैं। हालांकि नगरीय निकाय चुनाव की घोषणा नहीं हुई है। राज्य निर्वाचन आयोग ने वोटर लिस्ट और नगरीय निकाय चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी है। मंगलवार को राज्य निर्वाटन आयोग ने वोटर लिस्ट बनाने के लिए सभी जिलों के उप जिला निर्वाचन अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया है। इसके साथ ही आयोग ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि तय समय में सही वोटर लिस्ट तैयार की जाए। 1 जनवरी 2024 तक 18 साल की आयु पूरी कर चुके लोगों के नाम वोटर लिस्ट में जोड़ने के निर्देश दिए गए हैं। आयोग ने अधिकारियों को समस्या के समाधान की भी जानकारी दी है। मतदाता सूची बनाने का काम 29 नवंबर तक चलेगा। वोटर लिस्ट का प्रारंभिक प्रकाशन 16 अक्टूबर को होगा। वहीं, नगर पालिका में वोटर लिस्ट के लिए रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों की नियुक्ति 18 सितंबर तक होगी।

दिसंबर में हो सकते हैं चुनाव

नवंबर तक वोटर लिस्ट का काम चलने के बाद अब माना जा रहा है कि राज्य में नगरीय निकाय चुनाव दिसंबर में कराए जा सकते हैं। हालांकि आयोग की तरफ से चुनाव की डेट को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई है। वहीं, पंचायत चुनाव जनवरी में होने का अनुमान है। बता दें लोकसभा चुनाव के बाद से ही राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव के लिए तैयारियां शुरू कर दी थी।

छत्तीसगढ़ पीएम-ई-बस सेवा योजना चार शहरों में ई-बसों के लिए बिजली और डिपो अवसंरचना विकसित करेगा- तोखन साहू

रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर व कोरबा की सड़कों में जल्द दौड़ेगी ई-बसें

रायपुर (ए.)। आवास और शहरी मामलों के राज्य मंत्री तोखन साहू ने 169 शहरों में पीपीपी मॉडल पर 10,000 इलेक्ट्रिक बसों की तैनाती के लिए पीएम-ई-बस सेवा योजना की स्थिति का जायजा लिया। यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि परियोजना के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से पूरा किया जाए, मंत्री ने किसी भी चुनौती का निवारण करने और शहरी परिवहन और स्थिरता के लिए वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए प्रगति की निगरानी करने का निर्देश दिया।

छत्तीसगढ़ को पीएम-ई-बस सेवा योजना की पहली किस्त में 30.19 करोड़ रुपये दिए गए हैं, जो चार शहरों: रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर और कोरबा में ई -परिवहन को बढ़ावा देगा। छत्तीसगढ़ के लिए, ई-बसों की खरीद के लिए स्वीकृत किए गए सभी

बुनियादी ढाँचे के प्रस्ताव, जिसमें चार्जिंग के लिए सिविल डिपो अवसंरचना और बिजली अवसंरचना का विकास शामिल है। मंत्री ने कहा, यह महत्वाकांक्षी परियोजना छत्तीसगढ़ की अधिक उपयोगी और कुशल सार्वजनिक परिवहन प्रणाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस योजना के तहत, चारों शहरों के लिए 240 ई-बसों को मंजूरी दी गई है। मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह पहल न केवल सार्वजनिक परिवहन की गुणवत्ता को बढ़ाएगी बल्कि शहरों में पर्यावरणीय स्थिरता लक्ष्यों में भी योगदान देगी।

उन्होंने पहल के व्यापक प्रभाव पर जोर देते हुए कहा, यह एक बहुत अच्छी पहल है जो 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन तक पहुंचने के हमारे प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप है। व्यक्तिगत और सार्वजनिक परिवहन दोनों से जुड़े कार्बन को कम करके, हम अपने राष्ट्रीय जलवायु लक्ष्यों की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। पीएम-ई-बस सेवा योजना 16 अगस्त 2023 को भारत सरकार द्वारा 169 शहरों में पीपीपी मॉडल पर 10,000 इलेक्ट्रिक बसों की तैनाती करके बस संचालन को बढ़ाने और हरित शहरी प्रगतिशीलता पहल के तहत 181 शहरों में बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। इस योजना का मुख्य लक्ष्य डिपो के बुनियादी ढांचे के विकास और उन्नयन के साथ-साथ मीटर के पीछे बिजली के बुनियादी ढांचे के निर्माण करना है, जैसे कि ई-बसों के लिए सबस्टेशन। इस योजना में बस प्राथमिकता, बुनियादी ढांचे, मल्टीमॉडल इंटरचेंज, चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और एनसीएमसी-आधारित स्वचालित किराया संग्रह प्रणाली जैसी हरित पहलों की भी परिकल्पना की गई है।

गणेश विसर्जन से दो दिन पहले बंद हो शराब दुकानें - विश्व हिंदू परिषद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। भगवान गणेश का विसर्जन 18 सितंबर को होने है लेकिन हमेशा की तरह इस बार भी इसके विसर्जन में देरी होना स्वभाविक है लेकिन विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल राज्य शासन व पुलिस प्रशासन से मांग करती है कि भगवान गणेश का विसर्जन सही समय पर करने का आदेश जारी करें साथ ही विसर्जन से दो दिन पूर्व शराब दुकानों को बंद किया जाए। इसके साथ ही नवरात्रि में होने वाले गरबा के आयोजन में गैर हिन्दू व्यक्तियों का प्रवेश निषेध किया जाए जिसे आयोजन पूरी तरह से भक्तिमय वातावरण में हिंदू मना सकें क्योंकि कुछ समय से देखा जा रहा है कि कुछ असामाजिक तत्व गरबा के आयोजन में आकर महिलाओं और युवतियों छेड़छाड़ करते है और आयोजन समिति का इस ओर ध्यान नहीं जाता है। प्रशासन से वे मांग करते हैं कि गरबा नृत्य स्थल पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था के लिए अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की जाए।

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के

जिला उपाध्यक्ष योगेश सैनी ने पत्रकारों से चर्चा करते हुए कहा कि भगवान गणेश की प्रतिमा कभी मोदी स्वरूप में, कभी अन्ना हजारे, पुलिस वाले के विभिन्न स्वरूप में गणेश समितियां विराजमान करते हैं, यह सरासर गलत है। इन समितियों को भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा मूल स्वरूप में बैठना चाहिए तथा विधि विधान से विराजमान करना चाहिए, लोगों कि धर्मिक आस्था से खिलवाड़ नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि गणेश पंडालों में बॉलीवुड के अश्लील गाने बजते हैं यह भी गलत है, ऐसी समितियां का बजरंग दल विरोध करेगा तथा भक्ति भाव वाला गीत बजाने का सलाह देगा। अगर वे फिर भी नहीं मानते हैं तो इन समितियों पर पुलिस से कार्रवाई करने की मांग करेगा।

उन्होंने कहा कि गणेश विसर्जन 18 सितंबर को किया जाना है लेकिन इससे दो दिन पूर्व शराब दुकानों को बंद करने की मांग विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ने जिला व पुलिस प्रशासन से किया है ताकि गणेश जी की प्रतिमा का विधि विधान से समय पर विसर्जित किया जा सकें। उन्होंने सनातनियों, हिंदु संगठनों तथा गणेश उत्सव समितियों आग्रह किया कि है कि भगवान गणेश का समय पर विसर्जन करें क्योंकि पिछले कई सालों वे देख रहे है कि विसर्जन की तारीख निकलने के बाद भी विसर्जन किया जाता है यह पूरी तरह से गलत है। हिन्दू धर्म में यह कहावत है कि पितृपक्ष लगने से पहले भगवान श्री गणेश का विसर्जन हो जाना चाहिए।

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के जिला महामंत्री बंटी कतरे ने कहा कि आगामी दिनों नवरात्रि प्रारंभ होने वाले है और इस दौरान कई जगहों पर गरबे का आयोजन होना है और हमेशा की तरह इस बार भी यहां बॉलीवुड के कुछ अश्लील गानों पर लोग गरबा करते हुए नजर आने वाले है। लेकिन इस बार विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल ऐसे होने नहीं देगी, ऐसे समितियों को पहले समझाईश दिया जाएगा फिर भी वे नहीं मानते है तो इनके खिलाफ प्रतिबंधनात्मक कार्रवाई करने की मांग पुलिसे करेंगे। उन्होंने लव जिहाद और गैर हिंदू संगठनों को दूर रहने की नसीहत देते हुए आयोजन समितियों से अपील की कि ऐसे सामाजिक तत्व इस वहां आते है तो वे उन्हें आने से मना करें क्योंकि यह लोग हमारी बहु और बेटियों के साथ छेड़छाड़ करते है और इस ओर आयोजन समिति ध्यान नहीं जाता है इसलिए वे यहां सीसीटीवी का पहले से ही इंतजाम करें ताकि ऐसी घटनाएं करने वाले युवको को तत्काल पकड़कर पुलिस के हवाले कर दें। इसके साथ ही नवरात्रि में होने वाले गरबा के आयोजन में गैर हिन्दू व्यक्तियों का प्रवेश पूरी तरह से निषेध किया जाए जिसे आयोजन पूरी तरह से भक्तिमय वातावरण में हिंदू मना सकें।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने की रेल मंत्री से यह मांग

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सांसद बृजमोहन अग्रवाल की रेल मंत्री से यह मांग

रायपुर। रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने संसदीय क्षेत्र रायपुर से केन्द्री और अभनपुर के बीच यात्रा करने वाले लोगों को हो रही दिक्कतों को देखते हुए रायपुर-केन्द्री-अभनपुर ब्रॉड गेज रूट पर ट्रेन सुविधा जल्द शुरू करने की मांग को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखा है।

बृजमोहन अग्रवाल ने अपने पत्र में लिखा है कि, मेरे संसदीय क्षेत्र अभनपुर जिला रायपुर के आस-पास के गांव के मजदूर विद्यार्थीगण, और दूसरे दैनिक यात्री हजारों की संख्या में प्रतिदिन अभनपुर से रायपुर एवं रायपुर से अभनपुर की यात्रा करते है। जिसको देखते हुए रायपुर-केन्द्री-अभनपुर रूट पर प्रतिदिन चलने वाली ट्रेन की महती आवश्यकता है। उन्होंने यह भी लिखा है कि, पूर्व में विगत 50 वर्षों से संचालित नैरो गेज ट्रेन को वर्तमान में ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया है। परंतु संचालन अभी आरंभ नहीं हुआ है।

उपरोक्त परिस्थितियों को दृष्टिगत् सखते हुए रायपुर-केन्द्री-अभनपुर ब्रॉड गेज पर शीघ्र अतिशीघ्र मोनो रेल आरंभ करने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देर्शित करें। इससे पहले बृजमोहन अग्रवाल ने डीआरएम ऑफिस में रेलवे अधिकारियों के साथ हुई बैठक में भी रेल यात्रियों को हो रही परेशानियों पर नाराजगी जताते हुए। ट्रेनों के संचालन को बेहतर करने के निर्देश दिए थे।

सुभाषचंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इंक्युबेशन सेंटर व एनआईटी रायपुर के बीच एमओयू

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ जैव प्रौद्योगिकी प्रौन्नत सोसायटी द्वारा संचालित सुभाषचंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन सेंटर और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), रायपुर के बीच बुधवार को एक महत्वपूर्ण अनुबंध (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह अनुबंध दोनों संस्थानों के इन्क्यूबेशन सेंटरों के बीच सहयोग बढ़ाने और स्टार्टअप्स के विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया गया है।

एनआईटी रायपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान, एनआईटी के निदेशक डॉ. एनवी रमना राव और सुभाषचंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन सेंटर के

प्रमुख डॉ. गिरीश चंदेल ने इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस अनुबंध के तहत, दोनों संस्थान अपने-अपने इन्क्युबेशन केंद्रों के माध्यम से स्टार्टअप्स को तकनीकी सहयोग और बुनियादी ढांचा मुहैया कराएंगे। एनआईटी रायपुर की टीम सुभाषचंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन सेंटर के स्टार्टअप्स को तकनीकी सहयोग देगी, जबकि सुभाषचंद्र बोस बायोटेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन सेंटर एनआईटी के इन्क्यूबेशन सेंटर में शामिल स्टार्टअप्स को इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान करेगा।

एमओयू के तहत दोनों संस्थान नवाचार, उद्यमिता और इन्क्यूबेशन के क्षेत्रों में एक-दूसरे की क्षमताओं का उपयोग करते हुए जानकारी और संसाधनों का आदान-प्रदान करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. समीर वाजपेयी, डॉ. अनुज कुमार शुक्ला, पवन कटारिया, डॉ. आशीष कुमार विश्वकर्मा और डॉ. ज्योति सिंह उपस्थित थे। यह सहयोग छत्तीसगढ़ के स्टार्टअप इकोसिस्टम को और सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने दी हिन्दी दिवस की शुभकामनाएं

रायपुर। नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने हिन्दी दिवस पर देशवासियों को बधाई व शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। डॉ. महंत ने कहा कि, किसी भी भाषा को राष्ट्रभाषा बनने के लिए उसमें सहजता और सुगमता का होना आवश्यक है जो कि हिन्दी भाषा में है। भारत की एकता में अनेकता हिंदी भाषा की ही देन है। 1949 को भारत की संवैधानिक सभा में राष्ट्रीय भाषा हिन्दी को देवनागिरी लिपि में लिखा गया और हिन्दी को भारत गणराज्य की अधिकारिक भाषा भी घोषित किया गया। हिन्दी भाषा को भारत की अधिकारिक भाषा के रूप में इस्तेमाल करने का फैसला भारत के संविधान में 26 जनवरी, 1950 से प्रभाव में आया है। भारतीय संविधान के मुताबिक, देवनागिरी लिपि में लिखित हिन्दी भाषा को पहले भारत की अधिकारिक भाषा के रुप में अनुच्छेद 343 के तहत अपनाया गया, जिसके बाद हिन्दी भाषा जनसंचार का माध्यम बनती चली गई और इसका महत्व बढ़ता चला गया है।

राज्य बाल कल्याण परिषद के पदाधिकारियों ने राज्यपाल से की भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गुरुवार को छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के पदाधिकारियों ने राज्यपाल रमेन डेका से राजभवन में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर महासचिव चंद्रेश शाह, उपाध्यक्ष डॉ. कमल वर्मा और संयुक्त सचिव राजेन्द्र कुमार निगम ने राज्यपाल का शाल, विशेष गुजराती पटका और श्रीफल देकर सम्मानित किया। पदाधिकारियों ने परिषद की गतिविधियों और उपलब्धियों से राज्यपाल को अवगत कराया, जिसमें स्पीच थेरेपी सेंटर, मानसिक दिव्यांग गृह, बाल जीवन ज्योति अनुसंधान केन्द्र, खुला आश्रय गृह, और राज्य वीरता पुरस्कार सहित अन्य कार्य शामिल हैं। राज्यपाल रमेन डेका ने परिषद द्वारा रायपुर में संचालित स्पीच थेरेपी सेंटर का शीघ्र अवलोकन करने का आश्वासन दिया। इसके साथ ही, वर्ष 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा राष्ट्रीय वीरता पुरस्कार प्राप्त करने वाली चुनेश्वरी कोठलिया की आर्थिक स्थिति पर चर्चा की गई। चुनेश्वरी के लिए शासन के किसी उपक्रम में सेवा का अवसर और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास प्रदान करने के मुद्दे पर भी विचार विमर्श हुआ। राज्यपाल ने चुनेश्वरी के आवेदन पर यथासंभव सहायता और प्रधानमंत्री आवास आवंटित करने के लिए तत्काल निर्देश दिए।

राज्य शासन ने 33 उप पंजीयक अधिकारियों का किया तबादला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य वरिष्ठ उपपंजीयक एवं उपपंजीयक संवर्ग के 33 अधिकारियों का तबादला आदेश जारी है। इन अधिकारियों को तीन दिन भीतर कार्यभार सम्हालने का निर्देश वाणिज्यिक कर (पंजीयक) विभगा के अवर सचिव मनोज कुमार मिश्रा के हस्ताक्षर से जारी हुआ है।

जारी आदेश के मुताबिक अमित कुमार शुक्ला वरिष्ठ उप पंजीयक, रायपुर से उप पंजीयक कार्यालय बेरला जिला बेमेतरा, आकाश देवांगन उप पंजीयक, रायपुर से उप पंजीयक कार्यालय डौण्डी लोहारा जिला-बालोद, बृजेश शुक्ला उप पंजीयक, रायपुर से उप पंजीयक कार्यालय गरियाबंद, दिग्विजय चुरेन्द्र वरिष्ठ उप पंजीयक, अभनपुर से उप पंजीयक कार्यालय राजनांदगांव, देवराज साथ वरिष्ठ उप पंजीयक, दुर्ग से उप पंजीयक कार्यालय रायपुर, मुकेश अजापाल वरिष्ठ उप पंजीयक, दुर्ग से उप पंजीयक कार्यालय जगदलपुर, श्रीमती दीपाली राजपूत उप पंजीयक, दुर्ग से उप पंजीयक कार्यालय पामगढ़ जिला-जांजगीर-चांपा, बल्देव सिंह पिस्दा (प्रीतम), वरिष्ठ उप पंजीयक, राजनांदगांव से उप पंजीयक कार्यालय दुर्ग, श्रीमती मार्गरेट टोप्पो वरिष्ठ उप पंजीयक, राजनांदगांव से उप पंजीयक कार्यालय दुर्ग, श्रीमती पुष्पा मैत्री उप पंजीयक, डोंगरगांव से उप पंजीयक कार्यालय रायपुर, श्रीमती डॉ. लक्ष्मी पाण्डेय वरिष्ठ उप पंजीयक, बिलासपुर से उप पंजीयक कार्यालय पेंड्रारोड जिला-गौरेला-पेंड्रा मरवाही, शांतिनूतन कुजूर उप पंजीयक, बिलासपुर से उप पंजीयक कार्यालय सक्ती,

शशांक गोयल उप पंजीयक, बिलासपुर से उप पंजीयक कार्यालय रायपुर, वशपति सिंह वरिष्ठ उप पंजीयक, महासमुंद से उपपंजीयक कार्यालय रायपुर, श्री विजय कुमार भूले वरिष्ठ उप पंजीयक, गुंडरदेही से उप पंजीयक कार्यालय राजनांदगांव, दिनेश कुमार रड़के उप पंजीयक, डौण्डी लोहारा से उप पंजीयक कार्यालय खैरागढ़, सिद्धार्थ शंकर मिश्रा उप पंजीयक, अंबिकापुर से उप पंजीयक कार्यालय नवागढ़ जिला-बेमेतरा, अजयेश कुमार विश्वकर्मा उप पंजीयक, हरदी बाजार से उप पंह्यह्यजीयक कार्यालय कुनकुरी, बनवाली कश्यप उप पंजीयक, कुनकुरी से उप पंजीयक कार्यालय हरदी बाजार जिला-कोरबा, प्रतीक खेमुका उप पंजीयक, सक्ती से उप पंजीयक कार्यालय बिलासपुर, नौगेन्द्र पटेल उप पंजीयक, पेंड्रारोड से उप पंजीयक कार्यालय बिलासपुर, सूर्यकांत भंडारी उप पंजीयक, गरियाबंद से उप पंजीयक कार्यालय बिलासपुर, विनोद कुमार भतरिमा उप पंजीयक, कांकेर से उप पंजीयक कार्यालय अभनपुर जिला-रायपुर, श्रीमती भारती शर्मा वरिष्ठ उप पंजीयऊ, बेरला से उप पंजीयक कार्यालय रायपुर, एम. आर. ध्रुव (मालिक राम धुव) वरिष्ठ उप पंजीयक, सारंगढ़ से उप पंजीयक कार्यालय धमतरी, उत्तम कुमार टंडन उप पंजीयक, बिलाईगढ़ से उप पंजीयक कार्यालय महासमुंद, तनोज कुमार भूआर्य से उपंजीयक कार्यालय पलारी से उप पंजीयक कार्यालय रायगढ़, अलबर्ट कुजूर उप पंजीयक, नयागढ़ जिला बेमेतरा से उप पंजीयक कार्यालय अंबिकापुर, राम कुमार बिलाहरे उप पंजीवक, राजनांदगांव से उप पंजीयक कार्यालय कांकेर, संतराम चौहान उप पंजीयक, चांपा से उप पंजीयक कार्यालय सारंगढ़, वीरेन्द्र कुमार श्रीवास वरिष्ठ उप पंजीयक, रायपुर से उप पंजीयक कार्यालय पाटन, उत्तम सिंह राठौर उप पंजीयक, पामगढ़ से उप पंजीयक कार्यालय दंतेवाड़ा

येलो और रेड साड़ी पहन भोजपुरी क्वीन मोनालिसा ने गिराई हुस्न की बिजली

भोजपुरी इंडस्ट्री की क्वीन मोनालिसा हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स से फैंस के बीच कहर बरपाती रहती हैं। उनका बोल्ड अंदाज इंटरनेट पर आते ही तेजी से वायरल होने लग जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बेहद ही खूबसूरत तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

एक्ट्रेस मोनालिसा आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज शेयर करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने गणपति उत्सव की कुछ बेहद खूबसूरत फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका खूबसूरत और ग्लैमरस लुक देखकर फैंस तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

मोनालिसा ने गणेश भगवान जी की पूजा के दौरान बेहद ही सुंदर येलो और रेड कलर की साड़ी पहनी हुई थी, जिसमें वो कातिलाना अंदाज में पोज देती हुई नजर आ रही हैं।

कानों में गोल्ड के इयररिंग्स और गले में नेकलेस और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स करते रहते हैं।

हालांकि इन फोटोज में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने लिखा है- आउटस्टैंडिंग। दूसरे यूजर ने लिखा है कोई इतना खूबसूरत कैसे हो सकता है। तीसरे यूजर ने लिखा है ब्यूटिफुल क्वीन मैम।

भुवन बाम की ताजा खबर 2 का ट्रेलर जारी जावेद जाफरी से भिड़ते दिखेंगे अभिनेता

कॉमेडियन और अभिनेता भुवन बाम की वेब सीरीज ताजा खबर को दर्शकों का काफी प्यार मिला था। यह सीरीज बीते साल 5 जनवरी को डिज्नी+ हॉटस्टार पर रिलीज हुई थी।अब दर्शक ताजा खबर के दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जो जल्द खत्म हो जाएगा।दरअसल, ताजा खबर 2 का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिस पर दर्शक खूब प्यार लुटा रहे हैं।नए सीजन में भुवन की भिड़ंत जावेद जाफरी से होने वाली है।

भुवन बाम ने दर्शकों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनसे मिले प्यार से वह काफी उत्साहित महसूस करते हैं। उन्होंने इस सीजन का इंतजार करने को लेकर दर्शकों का आश्वस्त करते हुए कहा कि उनका इंतजार सफल साबित होगा। भुवन ने कहा, सीजन 2 की शूटिंग भावनात्मक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण रही है और मैं खुद को वास्या की आंखों में देख सकता था। इस सीजन में मेरे किरदार का ग्राफ बढ़ता है। अभिनेता ने आगे कहा कि उन्हें दिग्गज अभिनेता जावेद जाफरी के साथ काम करने में काफी मजा आया।

ताजा खबर 2 की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है। इस सीरीज का प्रीमियर 27 सितंबर, 2024 से डिज्नी+ हॉटस्टार पर होने जा रहा है।इसमें भुवन और जावेद के अलावा श्रिया पिलगांवकर, महेश मांजरेकर, प्रथमेश परब, नित्या माथुर, देवेन भोजनी और शिल्पा शुक्ला जैसे कलाकार भी नजर आएंगे।ताजा खबर 2 का निर्देशन हिमांक गौड़ ने किया है। भुवन ने इसका

निर्माण रोहित राज के साथ मिलकर किया है। कहानी हुसैन और अब्बास दलाल ने लिखी है।

जावेद जाफरी ने अपनी भूमिका को लेकर उत्साह जाहिर करते हुए कहा कि उन्हें जब इस किरदार की पेशकश की गई, तो वह काफी उत्साहित हो गए। उन्होंने कहा कि उन्हें नई भूमिकाओं के साथ खुद को चुनौती देना पसंद आता है। अपने किरदार को लेकर उन्होंने कहा,यूसुफ काफी शक्तिशाली और उग्र स्वभाव वाला है। उसके किरदार में कई परत हैं, जो मैंने पहले कभी नहीं निभाया है। भुवन बाम जैसे प्रभावशाली, मेहनती और युवा कलाकार के साथ काम करना अविश्वसनीय है, जो हर समय भावुक और दृढ़ रहे हैं। ताजा खबर मेरे लिए रचनात्मक रूप से काफी संतोषजनक अनुभव रहा है और दर्शकों को वास्या और यूसुफ के मुकाबले का मजा लेने को मिलेगा।

सीरीज में वस्या की पत्नी के किरदार में नजर आई श्रेया पिलगांवकर ने अपने किरदार को बहुत खास बताया है। उन्होंने कहा कि उन्हें मिले प्यार के लिए वह बहुत आभारी हैं। उन्होंने कहा उनका किरदार मधु, साहस और शक्ति का प्रतीक है, जो सीजन 2 में अपना हक वापस आने फिर से आती है। उन्होंने कहा,मधु ने मुझे प्रेरित किया है और मुझे उम्मीद है कि उसके गुणों ने कई अन्य महिलाओं के दिलों को छुआ होगा जो आज के दिन और उम्र में बाधाओं के बावजूद अपना नाम बनाना चाहती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वह इस नए सीजन के लिए एक बार फिर से काफी उत्साहित हैं।

मीना कुमारी की बायोपिक कमाल-मीना का टीजर आउट

दिग्गज एक्ट्रेस की लव स्टोरी का खुलेगा राज

हिंदी सिनेमा की दिग्गज और खूबसूरत एक्ट्रेस मे से एक मीना कुमारी के बारे में कौन नहीं जानता। मीना कुमारी जितनी सुंदर थीं, उससे कई ज्यादा उनके अभिनय में खूबसूरती नजर आती थी, जिन सिनेप्रेमियों को मीना कुमारी के बारे में जानकारी नहीं हैं, उनके लिए एक गुडन्यूज है। दरअसल, हिंदी सिनेमा का आइकॉनिंग सॉन्ग चलते-चलते (पाकीजा) फेम एक्ट्रेस मीना कुमारी की बायोपिक का टीजर रिलीज हो गया है। इस मीना कुमारी की बायोपिक के टीजर को संजय दत्त ने भी शेयर किया है। मीना कुमारी का बायोपिक लंबे समय से चर्चा हो रही थी।

संजय दत्त ने मीना कुमारी की बायोपिक के टीजर को शेयर कर लिखा है, डियर साची और बिलाल, नए वेंचर के लिए ऑल द बेस्ट, भगवान करे यह सुपरहिट हो, संजय मामू की तरफ से हमेशा प्यार बना रहेगा, यह मस्ट वॉच फिल्म है। मीना कुमारी की बायोपिक के टीजर की बात करें तो इसमें मीना कुमारी और उनके पति कमाल अमरोही की लव स्टोरी के पल दिख रहे हैं। कमाल अमरोही फिल्म डायरेक्टर और स्क्रीनराइटर थे। उनका असली नाम सैय्यद आमिर हैदर कमल नकवी था और उनका स्क्रीन नाम कमाल अमरोही था।

वहीं, सारेगामा ने भी अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर मीना कुमारी का बायोपिक कमाल-मीना का टीजर शेयर किया है। उन्होंने लिखा है, एक सपना जो खत्म होने से डरा नहीं, एक ऐसा प्यार जो सीमाओं से परे गया। इस फिल्म को सिद्धार्थ मल्होत्रा, बिलाल अमरोही बना रहे हैं। फिल्म में इरशाद कामिल ने गाने लिखे हैं। इन गानों के एआर रहमान ने अपना मधुर संगीत दिया है। बता दें, मीना कुमारी को हिंदी सिनेमा में सुपरस्टार दिलीप कुमार की तरह एक टैग मिला हुआ था। दिलीप कुमार ट्रेजेडी किंग तो मीना कुमारी ट्रेजेडी क्वीन माना जाता था। कहा जाता है कि घर की मजबूरियों के चलते पढ़ाई ना कर सकीं मीना कुमारी को ना चाहते हुए भी हिंदी सिनेमा का दामन थामना पड़ा था। मीना का जन्म 1 अगस्त 1933 को मुंबई के दादर में हुआ था और वहीं 31 मार्च 1972 को महज 39 साल की उम्र में लीवर खराब होने से उनकी मौत हो गई।

बॉलीवुड में डेब्यू करते ही स्टार बन गईं रूहानी शर्मा

बॉलीवुड में कई ऐसी एक्ट्रेसेस हैं जो एंट्री करते ही रातोंरात स्टार बन गई थीं। अब उसी लिस्ट में अनुष्का शर्मा की बहन रुहानी शर्मा भी शामिल हो गई हैं। बॉलीवुड में एक्ट्रेस रूहानी शर्मा ने फिल्म आगरा से डेब्यू किया है। फिल्म ऑनलाइन लीक हो गई है जिसमें से एक्ट्रेस के इंटीमेट सीन्स का वीडियो वायरल हो रहा है।

रूहानी शर्मा बॉलीवुड एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा की कजिन हैं। उनका जन्म हिमाचल प्रदेश के सोलन में हुआ है। पंजाब यूनिवर्सिटी से अपनी ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख दिया था।

रूहानी ने कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में काम किया। उसके बाद उन्होंने तमिल फिल्मों से एक्टिंग की दुनिया में डेब्यू किया। तमिल के बाद तेलुगू में भी रूहानी डेब्यू कर चुकी हैं। दोनों ही इंडस्ट्री में रूहानी की एक्टिंग को लेकर खूब तारीफ हुई है।

उसके बाद रूहानी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आगरा मूवी से डेब्यू किया। इस फिल्म में मोहित अग्रवाल, प्रियंका बोस, रूहानी शर्मा, विभा चिब्बर और सोनल झा अहम किरदार निभाती नजर आईं हैं। फिल्म का 2023 कान्स फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर हुआ था।

फिल्म के ऑनलाइन लीक होने के बाद सोशल मीडिया पर इंटीमेट सीन का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इंटीमेट सीन की वजह से रूहानी को खूब ट्रोल भी किया जा रहा है। ट्रोलिंग के बाद रूहानी चुप नहीं बैठीं। उन्होंने एक स्टेटमेंट शेयर करके अपनी निराशा जाहिर की।

रूहानी शर्मा आखिरी बार फिल्म ब्लॉकआउट में नजर आईं थीं। इस फिल्म में उनके साथ विक्रांत मैसी, सुनील ग्रोवर, मौनी रॉय अहम किरदार निभाते नजर आए थे। वो जल्द ही तमिल फिल्म मास्क में नजर आएंगी। रूहानी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वो आए दिन अपनी ग्लैमरस फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।उनकी क्यूटनेस के फैंस दीवाने हैं।

जिम में कार्डियो करते हुए इतने से ज्यादा नहीं होनी चाहिए आपकी हार्ट रेट, हो सकता है खतरनाक

कार्डियो वर्कआउट सेहत के लिए अच्छा माना जाता है। यह ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाकर शरीर को फिट रखता है। रेगुलर कार्डियो करने से स्टेमिना बढ़ता है। हालांकि, जिम में या बाहर कार्डियो करते समय हार्ट बीट काफी तेज हो जाती है। जिससे सवाल उठता है कि कार्डियो करते समय कितना हार्ट रेट सही होता है, कितना खतरनाक हो सकता है। आइए जानते हैं इसका जवाब।

कार्डियो करते समय हार्ट रेट कितना होना चाहिए

कार्डियो वर्कआउट करते समय हार्ट रेट बढ़ता है। एक हद तक हार्ट रेट बढ़ना ठीक होता है, जो बाद में नॉर्मल भी जाता है लेकिन ज्यादा हार्ट रेट खतरनाक हो सकता है। एक्सपर्ट्स का कहना है कि जिम में कार्डियो करते समय हार्ट रेट कितना होना चाहिए, यह काफी मुश्किल सवाल है, क्योंकि हार्ट रेट उम्र, फिजिकल एक्टिविटीज के लेवल, ओवरऑल हेल्थ और दवाईयों पर निर्भर करता है।

मैक्सिमम हार्ट अटैक कैसे निकालें

के अनुसार, एक्सरसाइज करते समय मैक्सिमम हार्ट रेट 50त्न से 85त्न तक पहुंच सकता है। किसी इंसान की उम्र को करीब 220 हार्ट बीट प्रति मिनट से घटाकर अधिकतम हार्ट रेट पा सकते हैं। अगर किसी की उम्र 30 साल है तो उसकी मैक्सिमम हार्ट रेट 220-30 = 190 बीपीएम करीब होगा।

मैक्सिमम हार्ट अटैक मापने के अन्य तरीके

किसी इंसान के लिए मैक्सिमम हार्ट रेट चेक करने का सबसे अच्छा और सटीक तरीका ट्रेडमिल टेस्ट माना जाता है। इसमें चेस्ट से हार्ट रेट मॉनिटर किया जाता है। इसके अलावा हार्ट रेट चेक करने के लिए आप तनाका फॉर्मूला, गुलाटी फॉर्मूला, स्मार्टवॉच है।

तनाका फॉमूला से कैसे निकालें हार्ट रेट

मैक्सिमम हार्ट रेट के लिए 208 – (उम्र × 0.7) का फॉमूला दिया है। अगर किसी की उम्र 30 साल है तो 208- (30× 0.7) = 187 बीपीएम होगा।

गुलाटी फार्मूला से हार्ट रेट कैसे निकालें

मैक्सिमम हार्ट रेट लिए 206- (उम्र × 0.88) का फॉमूला दिया है। अगर किसी की उम्र 30 साल है तो उसका मैक्सिमम हार्ट रेट 206- (30× 0.88) = 179.6 बीपीएम

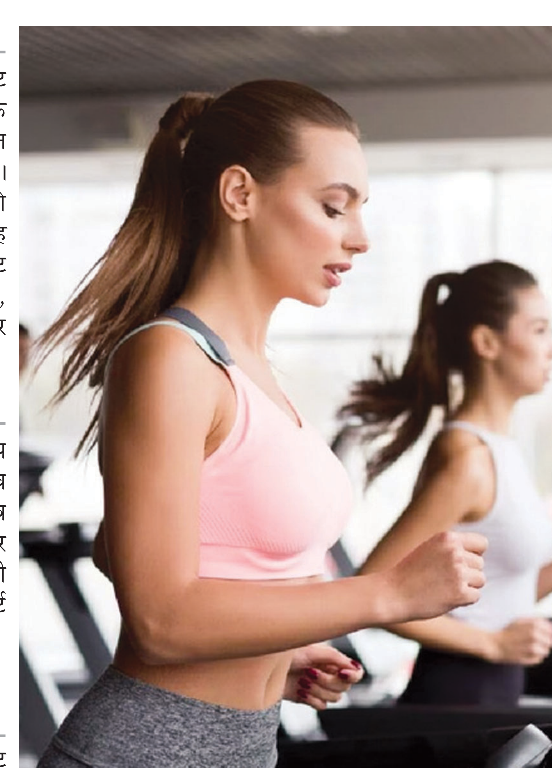

दवाइयां ही नहीं वेजिटेरियन डाइट भी डिप्रेशन से लड़ने में कर सकती है मदद

शाकाहारी डाइट करने के कई फायदे हैं। यह वजन घटाने से लेकर फिटनेस बेहतर बनाने में मदद करता है। अब एक नई स्टडी में खुलासा हुआ है कि इससे मेंटल हेल्थ भी दुरुस्त रहती है। हैदराबाद यूनिवर्सिटी की स्टडी में पता चला है कि शाकाहारी खाना तनाव को दूर रखता है, डिप्रेशन से लड़ने में मदद करता है। इस खाने से दिमाग बेहतर तरीके से काम करता है।

यूरोपियन जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में पब्लिश इस स्टडी में बताया गया कि वेजिटेरियन डाइट से मूड अच्छा होता है और एजिंग की समस्या भी धीरे होती है। ऐसे में आइए जानते हैं शाकाहारी खाना इतना फायदेमंद क्यों होता है।

क्या कहती है नई स्टडी

6 महीने तक की गई इस रिसर्च में पाया गया कि शाकाहारी खाना जैसे- फल, सब्जियां, साबुत अनाज खाने से डिप्रेशन-एंग्जाइटी जैसी समस्याएं कम हो सकती हैं। इस अध्ययन में कुल 304 वयस्क लोगों को शामिल किया गया। इन सभी की उम्र 40 साल से ज्यादा थी। इनमें शाकाहारी और मांसाहारी दोनों तरह के लोग शामिल थे।

शाकाहारी या मांसाहारी कौन ज्यादा फायदेमंद

इस अध्ययन में पाया गया कि प्लांट बेस्ड फूड्स खाने वालों में विटामिन बी-12 कम होता है। खाने के पैटर्न के विश्लेषण में शोधकर्ताओं ने पाया कि प्लांट बेस्ड फूड खाने वालों में प्रोटीन, कैल्शियम, फोलेट और विटामिन सी अच्छी मात्रा में होती है। वहीं, मांसाहार खाना जैसे- मांस-मछली खाने वालों में कार्बोहाइड्रेट, सोडियम, राइबोफ्लेविन, आयरन और विटामिन बी-12 ज्यादा होता है।

कई अध्ययनों में सामने आया है कि विटामिन डी की कमी होने पर डिप्रेशन का खतरा बढ़ जाता है। रोज धूप में बैठने से और दूध पीने से विटामिन डी की पूर्ति की जा सकती है। कार्बोहाइड्रेट की भरपूर मात्रा वाले सब्जियों और फलों से भी अवसाद में आराम मिलता है। कार्बोहाइड्रेट वाला फूड हमारे ब्रेन में मूड बेहतर करने वाला हार्मोन रिलीज करता है।

वेजिटेरियन खाना डिप्रेशन भगाए

इस अध्ययन के मुताबिक, वेजिटेरियन लोग प्रोटीन का सेवन ज्यादा करते हैं। जिसका उनकी मेंटल हेल्थ पर पॉजिटिव असर होता है। दिमाग को सही तरह से काम करने के लिए प्रोटीन की आवश्यकता होती है। इससे ब्रेन हर तरह से स्वस्थ रह सकता है। वहीं, मांसाहार खाने वालों के ब्लड में एंटीऑक्सिडेंट का लेवल काफी ज्यादा होता है। कम ऑक्सीडेटिव तनाव दे सकता है। इस अध्ययन में बताया कि अगर लंबे समय से शाकाहारी खाना खा रहे हैं तो डिप्रेशन की समस्या कम हो सकती है।

डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने दुर्ग और राजनांदगांव में मिशन के कार्यों का किया निरीक्षण

अच्छी गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में सभी कार्यों को पूर्ण करने के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जल जीवन मिशन के नए संचालक डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने दुर्ग और राजनांदगांव जिले का दौरा कर मिशन के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने दोनों जिलों में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन अभियंताओं, सहायक अभियंताओं और उप अभियंताओं की बैठक लेकर प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने लोगों को स्वच्छ व सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों को अच्छी गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को फील्ड का नियमित दौरा कर कार्यों के सतत निरीक्षण के साथ ही जल जीवन मिशन के तहत गांवों में पेयजल की निर्बाध आपूर्ति के लिए ग्राम पंचायतों से समन्वय बनाने तथा उन्हें जरूरी मार्गदर्शन प्रदान करने को कहा।

जल जीवन मिशन के संचालक डॉ. सर्वेश्वर नरेन्द्र भुरे ने आज दुर्ग जिले में अंजोरा ढाबा मल्टी-विलेज योजना के अंतर्गत ग्राम अंजोरा में संचालित कार्यों का निरीक्षण किया। अंजोरा में रेट्रोफिटिंग योजना क्रियान्वित की गई है, जिसके तहत 356 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन के माध्यम से जल प्रदाय किया जा रहा है। उन्होंने घरेलू नल कनेक्शन के लिए निर्मित प्लेटफॉर्म का अवलोकन कर उसकी गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया। डॉ. भुरे ने जल आपूर्ति को लेकर ग्रामीणों से चर्चा भी की। गांववालों ने उन्हें बताया कि पेयजल योजना का संचालन ग्राम पंचायत द्वारा किया जा रहा है। जल कर के रूप में हर महीने प्रति परिवार 50 रुपए का शुल्क लिया जा रहा है। जल जीवन मिशन के माध्यम से पाइपलाइन से घर तक नल का पानी पहुंच रहा है। इससे पेयजल और अन्य कार्यों के लिए रोज जल संचय करने में लगने वाले समय की बचत हो रही है। घर में नल लगने से महिलाओं को काफी सहुलियत हो रही है। डॉ. भुरे ने बरसात में पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने स्थानीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

मिशन संचालक डॉ. भुरे ने राजनांदगांव जिले के ग्राम सांकरा में भी रेट्रोफिटिंग योजना का निरीक्षण किया। यह पूर्व से संचालित धीरी समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत आता है। जल शुद्धिकरण संयंत्र के माध्यम से सांकरा के 652 परिवारों को घरेलू नल कनेक्शन द्वारा शुद्ध पेयजल प्रदान किया जा रहा है।

योजना का संचालन एवं संधारण ग्राम पंचायत द्वारा किया जा रहा है। जल कर के रूप में ग्राम पंचायत द्वारा प्रत्येक परिवार से हर माह 50 रुपए का शुल्क लिया जा रहा है। मिशन संचालक द्वारा दोनों जिलों में कार्यों के निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता सहित सभी मैदानी अधिकारी मौजूद थे।

शंकराचार्य के गौ प्रतिष्ठा आंदोलन में सहयोग करेगा सिंधी समाज

समाज के प्रख्यात संत साईं मसन्द साहिब ने शंकराचार्य से की मुलाकात

दिल्ली/रायपुर । ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द महाराज द्वारा आयोजित चातुर्मास्य महोत्सव में प्रसिद्ध सिंधी संत साईं जलकुमार मसंद साहिब, मसंद सेवाश्रम रायपुर (छत्तीसगढ़) के अधिष्ठाता, विशेष रूप से शामिल हुए। इस एक सप्ताह के दिल्ली प्रवास के दौरान, शंकराचार्य महाराज ने उन्हें पगड़ी, शाल, श्रीमद्भगवत गीता, मिष्ठान और सम्मान पत्र से सम्मानित किया।

साईं मसंद साहिब के दिल्ली आगमन पर दिल्ली के सिंधी समाज के संतों, ब्राह्मणों, पंचायतों, झूलेलाल मंदिरों, समाजसेवी संस्थाओं और वरिष्ठ पत्रकारों ने शंकराचार्य महाराज से भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर शंकराचार्य महाराज ने सिंधी समाज के देश के विकास में योगदान की सराहना की और बताया कि अपनी विशिष्ट पहचान के कारण सिन्धी समाज देश में एक विशेष स्थान रखता है।

सभा के दौरान, शंकराचार्य महाराज ने गौ प्रतिष्ठा आंदोलन पर चर्चा करते हुए सिन्धीलाल नस्ल की गाय के संरक्षण की जिम्मेदारी सिन्धी समाज को सौंपने की बात कही।

उन्होंने कहा कि यह गाय कम चारा खाकर भी अधिक दूध देती है और उसका संरक्षण करने से समाज को गौमाता का आशीर्वाद मिलेगा। इस प्रस्ताव को सिन्धी समाज ने सहर्ष स्वीकार किया और कई प्रमुख व्यक्तियों ने गौवंश के संरक्षण का संकल्प लिया। साईं मसंद साहिब ने अपने संबोधन में भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने की योजना का जिक्र करते हुए सनातन वैदिक सिद्धांतों के आधार पर शासन स्थापित करने की बात कही।

सभा में अन्य प्रमुख वक्ताओं ने भी गौ प्रतिष्ठा आंदोलन में सिंधी समाज की सक्रिय भागीदारी का संकल्प व्यक्त किया। शंकराचार्य महाराज ने इस निर्णय को ऐतिहासिक बताया।

हौसला रखें और बड़ा सपना देखें - रमेन डेका

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका आज माना कैंप स्थित एसओएस बालिका गृह पहुंचे। डेका ने वहां रह रही बालिकाओं से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। उन्होंने बालिकाओं को कम्बल, मिठाई तथा फल वितरित किये इस बालिका गृह में अनाथ एवं एकल अभिभावक वाली बालिकाएं जिनकी उम्र 18 वर्ष तक है, निवास करती है। राज्यपाल ने बालिकाओं से कहा कि वे हौसला रखें और बड़ा सपना देखें तथा पूरा करने के लिए तन-मन से जुट जाए। उन्हें यह नहीं सोचना है कि वे अकेले है बल्कि पूरा समाज और सरकार उनके साथ है। एक-दूसरे के साथ हंसी-खुशी से मिलजुल कर रहे।

राज्यपाल ने बालिकाओं के समक्ष आदर्श महापुरुषों की जीवन गाथा का उल्लेख किया। महात्मा गांधी, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम, श्री नेल्सन मंडेला की जीवनी से हम सभी को प्रेरणा लेनी चाहिए। डॉ. कलाम ने मिसाइल बनाने का सपना देखा और उसे पूरा किया। नेल्सन मंडेला 26 वर्ष तक जेल में रहे फिर भी उन्होंने हौसला नहीं खोया और दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बने।

राज्यपाल ने बालिकाओं से कहा कि वे भी महापुरूषों से प्रेरणा ले और हौसले तथा साहस के साथ जीवन में आगे बढ़ते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अपना मुकाम हासिल करे। राज्यपाल डेका ने बालिका गृह का अवलोकन किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। बालिका गृह संचालिका ऋतु सिंह ने बताया महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित इस संस्था में 110 बच्चे वर्तमान में निवासरत है।

श्री डेका ने बालिकाओं को सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने कहा। इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक मोतीलाल साहू, नगर पंचायत के अध्यक्ष संजय यादव क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि, बालिका गृह के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पहली बार फील्ड में डिजीटल क्रॉप सर्वे हुआ प्रारंभ राज्य में बलौदाबाजार तहसील का हुआ है चयन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बलौदाबाजार भाटापारा जिले के बलौदाबाज़ार तहसील में डिजीटल क्रॉप सर्वे प्रारंभ कर दिया गया है। जिसके तहत पटवारी सहित अन्य राजस्व अधिकारी खेतों में जाकर सर्वे का कार्य पूर्ण करेंगे। इसके पूर्व जनपद पंचायत सभाकक्ष बलौदाबाजार में फील्ड में गिरदावरी अंतर्गत डिजिटल रूप से फसल का सर्वे करने वाले निजी सर्वेयर का प्रशिक्षण आयोजित किया जा चुका है। जिसमे बताया गया कि डिजिटल क्रॉप सर्वे में निजी सर्वेयर की भूमिका जियो फ्रेंस के रूप में होगी, जो डिजिटल रूप से फसल का सर्वे सभी खेतों में जाकर करेंगे। निजी सर्वेयर को प्रतिदिन 30 से 50 खसरों का टास्क दिया जायेगा। जिसे सर्वेयर खेत में जाकर लॉगिन करेंगे।

उनसे तहसीलदार पूछेंगे क्या आप अवलेबल हैं और हां में जवाब आएगा। वैसे ही एप में प्लॉट की स्थिति, खसरा नंबर, एरिया ऑनर का नाम अपने आप फीड हो जायेगा। जो क्रॉप लगी है उसका तीन फोटो लॉन्गिट्यूट लैटिट्यूट के साथ अपलोड करना है। इस प्रकार एक नंबर का कार्य पूर्ण होगा। जिसमें पटवारी की भूमिका पर्यवेक्षक और राजस्व निरीक्षक की भूमिका सत्यापनकर्ता तथा तहसीलदार व नायब तहसीलदार की भूमिका जांचकर्ता अधिकारी के रूप में की गई है।

सर्वेक्षकों द्वारा संपादित सभी खसरे आरआई के पास नहीं आयेंगे। सर्वेक्षकों द्वारा सर्वे किये गए खसरे पटवारी के पास आयेंगे। पटवारी या अनुमोदन करेगा या रिसेंड करेगा। पटवारी द्वारा दो बार रिजेक्ट होने की स्थिति में आरआई के आईडी में आयेगा। ऐसे खसरों की संख्या बहुत कम होगी, जहां मौके में जाकर आवश्यकतानुसार सत्यापन किया जाएगा। उक्त प्रशिक्षण में बताया गया है कि फील्ड में क्या बोया गया है फसल की जींस का नाम, मिश्रित फसल की स्थिति में सभी फसलों का अनुमानित रकबा, सिंचित- असिंचित फसल, एकवर्षीय या बहुवर्षीय, सीजनल फसल की जानकारी आदि भरी जायेगी। सर्वेयर द्वारा साफ्टवेयर में बोये गये जींस व एकल व मिश्रित फसल की स्थिति में बोये गये फसल या पड़त रकबा की अनुमानित प्रविष्टि करेगा।

जब तक साफ्टवेयर में जियोरिफ्रेंस्ड रकबा के अनुसार सर्वे किए गए रकबा का योग एक समान नहीं आयेगा, तब तक डेटा सेव नहीं होगा। सर्वेयर किसी भी खसरा नंबर की भूमि के मेड़ में खड़े होकर फोटो कैप्चर नहीं करेगा। यदि ऐसा वे करते हैं तो आसपास के खसरा नंबर के लैटलांग मिस्डमैच होगा। इसलिए सर्वेयर प्रत्येक खसरा नंबर की भूमि के अंदर कम से कम मेड़ से 10 मीटर की दूरी पर जाकर प्रयोग संपादित करेगा। यदि पिक्चर में गेहूं फसल दिख रहा पर सर्वेक्षक ने धान प्रविष्ट किया हो अथवा प्लाट खाली है और फोटो गन्ना का अपलोड किया है, तो वही डेटा को पटवारी रिसेंड करेगा। सर्वेक्षक सुधार कर फिर से पटवारी को भेजेगा। यदि पटवारी पुनः रिजेक्ट करता है तब आरआई के आईडी में आयेगा। पटवारी द्वारा परंपरागत ढंग से की जाने वाली गिरदावरी से यह फिलहाल अलग है। धान खरीदी पटवारी द्वारा की गई गिरदावरी के आधार पर की जाएगी।

डिजिटल क्राप सर्वे उन्हीं ग्रामों में की जायेगी, जहां जियोरिफ्रेंसिंग का सेकेंड लेवल कार्य का संपादन हो गया है। सभी ग्रामों के खसरा नंबरों में नहीं की जाएगी। यह शासन की बहुआयामी योजना है। सकारात्मक ढंग से इस कार्य का संपादन करना है। साफ्टवेयर बहुत ही आसान बनाया गया है। किसी भी वर्जन के एंड्रॉयड मोबाईल में प्रयोग किया जा सकता है, जिसमें ये सपोर्ट करें। इसके लिए जिले में पटवारी,आरआई को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। गौरतलब है की राज्य में डिजीटल क्रॉप सर्वे हेतु बलौदाबाजार तहसील का चयन किया गया है।

जनसमस्या निवारण शिविर का लाभ उठाएं ग्रामीण : विधायक

कोरबा। जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन पाली ब्लॉक के दूरस्थ ग्राम सपलवा में आयोजित किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि विधायक पाली-तानाखार तुलेश्वर सिंह मरकाम ने ग्रामीणों से कहा कि जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर में सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं। ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इन शिविरों में आकर लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिविरों में ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदाय की जाती है। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को शासकीय अनुदान, सामग्री वितरित कर लाभान्वित किया जाता है।

सपलवा सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से उपस्थित ग्रामीणों के बीच जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। इस दौरान ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का लाभ लेने की अपील की गई। शिविर में कुल 525 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 250 आवेदनों का मौके पर ही त्वरित निराकरण किया गया। शेष आवेदन मांग तथा शिकायत संबंधी होने की वजह से आवेदन पर परीक्षण कर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

शिविर में कृषि विभाग के द्वारा किसानों को दो नग 03 हॉर्स पॉवर के पंप, मत्स्य विभाग द्वारा स्वसहायता समूह को आईस बॉक्स एवं जाल, महिला बाल विकास विभाग द्वारा शिशुवती माताओं को 08 सुपोषण टोकरी का वितरण किया गया। इसके साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत मांग करने वाले 10 हितग्राहियों को जॉब कार्ड वितरित किए गए। खाद्य विभाग के द्वारा 12 राशनकार्ड तथा स्वास्थ्य विभाग के द्वारा 05 आयुष्मान कार्डों का वितरण किया गया।

शिविर में उपस्थित क्षेत्र की जनप्रतिनिधियों ने कहा कि यहां ग्रामीणों की समस्याओं के निराकरण के लिए शिविर आयोजित किया गया है। ग्रामीण इस शिविर का लाभ जरूर उठाएं। यहां शासन की योजनाओं की जानकारी मिलने के साथ ही अपनी समस्याओं का निराकरण भी संबंधित अधिकारी के माध्यम से करा सकते हैं। अपर कलेक्टर अनुपम तिवारी ने कहा कि राज्य शासन के मंशानुरूप आमजनों की समस्या के तत्काल निराकरण हेतु पाली ब्लॉक के ग्राम पंचायत सपलवा में आज जिले का जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया है। शिविर में आमजनो द्वारा शिकायत और मांग संबंधी आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्रवासियों द्वारा प्रस्तुत मांग संबंधी आवेदन क्षेत्र के विकास कार्यों से जुड़े हुए हैं। आवेदन एवं मांगों पर नियमानुसार परीक्षण कर कार्यवाही की जाएगी। शिविर में जिला पंचायत सदस्य गणराज सिंह कंवर, स्थानीय जनप्रतिनिधि, एसडीएम सीमा पात्रे, जनपद सीईओ भूपेन्द्र सोनवानी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी व बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मंत्री राजवाड़े ने कुदरगढ़ में नवीन विश्राम गृह का किया भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास और समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने आज सूरजपुर जिला के ओडगी विकासखंड के ग्राम कुदरगढ़ में नवीन विश्राम गृह का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर विधायक प्रेमनगर भूलन सिंह मरावी भी उपस्थित रहे। लोक निर्माण विभाग द्वारा लगभग 03 करोड़ की लागत से नये सर्किट हाउस का निर्माण किया जा रहा है। इस दौरान मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कुदरगढ़ स्थित माता बागेश्वरी धाम पहुंच कर मां के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और प्रसन्नता की कामना की।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि कुदरगढ़ अपने धार्मिक मान्यताओं के लिए प्रसिद्ध और यहां पर्यटन की असीम संभावनाएं है। उन्होंने कहा कि नवीन विश्राम गृह के बनने से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

गौरतलब है कि सूरजपुर जिले के प्राचीन कुदरगढ़ धाम में मां बागेश्वरी का पुराना मंदिर स्थापित है, इस प्राचीन कुदरगढ़ धाम का इतिहास भी काफी रोचक मान्यताओं से भरा है। इसी विशेषता के कारण यहां ना सिर्फ आस-पास के जिलों से बल्कि पड़ोसी राज्यों से भी श्रद्धालु आते हैं।

जिला चिकित्सालय में मरीजों को मिल रही निःशुल्क डायलिसिस सुविधा

रायपुर। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (जीवनधारा) अंतर्गत शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय से संबंद्ध जिला चिकित्सालय में संचालित डायलिसिस सेंटर में किडनी के मरीजों को नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा का लाभ मिल रहा है। अभी तक , प्रति दिवस तीन डायलिसिस सेशन प्रति मशीन के अनुसार अब तक 16828 सेशन किए गये है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी. कुदेशिया ने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम अंतर्गत मरीजों को नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा दी जा रही है। अस्पताल में डायलिसिस हेतु 05 मशीन लगाई गई है। मशीनों द्वारा लगभग 04 घंटे में डायलिसिस की प्रक्रिया पूरी होती है। मरीज स्थिति के अनुसार माह में 08-12 बार तक डायलिसिस कराना होता है। वर्तमान में डायलिसिस यूनिट में 49 एक्टिव मरीज पंजीकृत है, जो नियमित रूप से डायलिसिस करवाने आते है। उक्त पांच मशीनों में से एक मशीन हेपेटाइटिस सी के मरीजों के लिए कार्य कर रही है। डायलिसिस सुविधा का लाभ ले रहे महासमुंद नगर के निवासी 56 वर्षीय रवि तिवारी के साथ आई उनकी बेटी वर्षा तिवारी ने बताया कि पहले डायलिसिस के लिए रायपुर जाना पड़ता था, जो काफी खर्चीला और परेशानी भरा होता था। अब घर के पास ही यह सुविधा उपलब्ध होने से उनके परिवार को बड़ी राहत मिली है।

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर,अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics
Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

युवक को किडनैप कर बेरहमी से पीटा दिनदहाड़े कार से उठाकर ले गए बदमाश

डायल 112 की टीम को देखकर भागे, पुलिस ने टीम बनाकर आरोपियों को दबोचा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में कुछ बदमाशों ने एक युवक को दिनदहाड़े चाकू की नोक पर किडनैप कर लिया। युवक को कार में भरकर गांव से दूर इंडस्ट्रियल एरिया ले गए। यहां उसे बुरी तरह पीटा। इसी दौरान वहां डायल 112 की टीम पहुंची, तो आरोपी कार छोड़कर भागे। मामला पुरानी भिलाई थाना के उमदा क्षेत्र का है। पुरानी भिलाई पुलिस के मुताबिक 11 सितंबर की रात 10 बजे के करीब आरोपी हेमन्त चंद्राकर उर्फ भोला अपने जीजा के साथ बाइक से उम्दा बस्ती गया था। दोनों शराब के नशे में थे, जिससे हादसे का शिकार हो गए और सड़क पर गिर गए। ऐसे में वह नशे की हालत में गांव वालों को गाली गलौज करने लगे।

पीड़ित ने बताया कि इसके बाद दोनों गांव के लोगों से गाली गलौज करने लगे। इस पर वहां मौजूद शुभम सेन अपने साथी जतिन देवांगन और गांव के कुछ लोगों के साथ वहां गया। दोनों को गाली गलौज करने से मना किया। जब गांव के लोगों ने भी उनको गाली दी तो वो दोनों वहां से चले गए। पीड़ित ने बताया कि इसके बाद 12 सितंबर की दोपहर 1:30 बजे हेमन्त चंद्राकर अपने साथी संजय यादव, सूरज गवांडे और सीताराम राजू उर्फ राजू के साथ कार ष्टत्र-04 ॥ 4153 से उमदा सांस्कृतिक भवन के पास पहुंचा। उन्होंने शुभम सेन को देखते ही गालियां देनी शुरू कर दी। इससे पहले की कोई कुछ समझ पाता उन लोगों ने शुभम के चाकू टिका दिया। उसे कार में जबरदस्ती बैठा लिया। इसके बाद उसे वहां से 4 किलोमीटर दूर ट्रांसपोर्ट नगर हथखोज की ओर ले गए। इसके बाद वहां ले जाकर हाथ मुक्का से मारपीट की। हेमन्त चंद्राकर उर्फ भोला ने कहा कि मेरे जीजा के साथ गाली गलौज किया। यह बोलते हुए शुभम को बुरी तरह पीटा। पीड़ित ने बताया कि वह लोग उसे फिर से गाड़ी में भरकर दूसरी जगह ले जाने वाले थे, लेकिन डायल 112 की गाड़ी पहुंच गई। इससे आरोपी घबरा गए। उन लोगों ने शुभम को वहीं कार से नीचे फेंका। जब वह कार लेकर नहीं भाग पाए तो कार को वहीं छोड़ गए।

टीम बनाकर आरोपियों को पकड़ा

दुर्ग एसपी को जैसे ही अपहरण की जानकारी मिली उन्होंने आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीमें बनाने का निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस की टीमों और डायल 112 के कर्मचारियों ने देर रात तक छापेमारी की। 13 सितंबर तक पुलिस ने चारों आरोपियों को हिरासत में लिया। मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक सुभाष लाल, आरक्षक सिद्धार्थ टेकाम, अरविंद मेढ़े, डायल 112 चालक कमल साहू की उल्लेखनीय भूमिका रही।

ये आरोपी भेजे गए जेल

हेमन्त चंद्राकर (27 वर्ष) निवासी उमदा पुरानी भिलाई।
संजय यादव (36 वर्ष) निवासी श्वङ्घस्र 1545 हथखोज थाना जामुल, भिलाई।
सूरज गांवडे (34 वर्ष) निवासी केम्प-2 बैकुंठधाम मंदिर के सामने छावनी भिलाई।
सीताराम उर्फ राजू (45 वर्ष) निवासी घासीदास नगर जामुल भिलाई।

खास खबर

कोरबा में सड़क पर मिली युवक की लाश: दोनों हाथों में लगी थी निडिल अस्पताल से भागने की आशंका

कोरबा। जिले में शनिवार सुबह नए बस स्टैंड के पास सड़क किनारे एक शव मिला। बताया जा रहा है कि युवक के दोनों हाथों में निडिल लगी थी। वह अस्पताल की ड्रेस में पड़ा मिला। पूरी घटना सीएसईबी चौकी क्षेत्र की है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृतक का नाम राजू कुमार (26) है। वह राजधानी बस का हेल्पर था। पिछले कुछ दिनों से उसकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी। कटघोरा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा था। जहां से वह कब कैसे और किन परिस्थितियों में लापता हुआ इस बात की जानकारी किसी को नहीं है। सीएसईबी चौकी पुलिस ने शव मिलने के बाद सरकारी अस्पतालों से संपर्क किया। इस दौरान पता चला कि राजू कुमार अस्पताल से फरार हो गया है, जिसकी तलाश की जा रही है। परिजन भी उसकी तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका पता नहीं चल पाया। शनिवार की सुबह जब परिजनों वॉट्सऐप पर उसका फोटो भेजा गया, जहां उसकी पहचान हुई।

सीएसईबी चौकी प्रभारी लक्ष्मण प्रसाद खूंटे ने बताया कि राजू कुमार कोरबा में किसी रिश्तेदार के यहां रहता था। वह मिलता शिवरीनारायण क्षेत्र का रहने वाला था। युवक की मौत कब कैसे और किन परिस्थितियों में हुई है, इस बात का पता नहीं चला है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

रेलवे में अनुकंपा नियुक्ति के नाम पर युवक से 3 लाख की ठगी

बालोद। पिता की मौत के बाद रेलवे विभाग में अनुकंपा नियुक्ति दिलाने के नाम पर ग्राम भैंसबोड़ निवासी दीदार खान से 3 लाख रुपए की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। बालोद थाने में गुरुवार को रविन्द्र अग्रवाल, संतोष कुमार, भूपेन्द्र सिंह के खिलाफ धारा 420, 34 के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दीदार खान के पिता अमिरू खान की मौत रेलवे में काम करने के दौरान हो गई थी। अब तक उनके पिता की जगह पर अनुकंपा नियुक्ति नहीं हो पाई है और न ही विभाग से राशि मिल पाई है। दीदार ने पुलिस को जानकारी दी है कि चार किस्त में 3 लाख रुपए दिया। पहली किस्त 4 जनवरी को 50 हजार, दूसरी किस्त 11 जनवरी को 1 लाख, तीसरी किस्त 23 जनवरी को 50 हजार और चौथी किस्त 1 लाख रुपए दिया। भूपेन्द्र सिंह अपने आप को रेलवे कार्यालय डिविजन रायपुर का ऑफिसर बताते हुए अंतिम किस्त को चेक के माध्यम से भेजने के लिए अपना खाता नंबर दिया था। रुपए लेने के बाद भी युवक की नौकरी नहीं लगी। इसके बाद जब रुपए वापसी के लिए भूपेन्द्र सिंह को कॉल करने पर उसने रिस्पांस नहीं दिया। तब जाकर युवक को लगा कि उसे ठगा गया है।

नारायणा हॉस्पिटल पर लगाए गंभीर आरोप, बेटा बोला- इनकी लापरवाही ने मां को मार डाला

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के लालपुर स्थित नारायणा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल पर लापरवाही का आरोप लगा है। एक महिला की इलाज के लिए दो सितंबर को नारायणा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। 10 दिनों के बाद स्वास्थ्य में सुधार नहीं हुआ, तो डॉक्टरों ने उन्हें हैदराबाद रेफर कर दिया। अस्पताल से रेफर की गई मरीज की एयर एंबुलेंस में मौत हो गई। मृतका के बेटे का आरोप है कि हॉस्पिटल की लापरवाही के वजह से उसकी मां की जान गई है।

स्वास्थ्य में सुधार नहीं होने पर डॉक्टरों ने उन्हें हैदराबाद रेफर करने की बात कही। अस्पताल से रेड एयर एम्बुलेंस से ले जाने का सुझाव मिला। इससे मरीज के परिजन तैयार हो गए और अस्पताल के ही रेड एयर एम्बुलेंस रायपुर एयरपोर्ट से हैदराबाद के लिए उड़ान भरी। इसके बाद मशीन में खराबी के कारण ऑक्सीजन सप्लाई नहीं हुआ, जिससे मरीज की स्थिति बिगड़ने लग गई।

ऑक्सीजन सप्लाई नहीं होने पर मरीज के परिजनों ने ऑक्सीजन मास्क लगाने की गुजारिश की, लेकिन सही समय में ऑक्सीजन नहीं मिल पाया। इसके बाद पायलट ने अन्य कर्मचारियों से कुछ बात की और 15-17 मिनट के भीतर हैदराबाद में लैंड करने वाले एयर एम्बुलेंस को रायपुर में वापस उतार लिया गया। इस दौरान महिला की मौत हो गई। इसके बाद अस्पताल के बाहर बवाल मच गया। महिला की मौत को लेकर परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

सुकमा में एक महिला नक्सली सहित पांच नक्सलियों ने किया सरेंडर, कई नक्सली वारदातों को दे चुके हैं अंजाम

श्रीकंचनपथ न्यूज

सुकमा। जिले में एक महिला नक्सली सहित कुल पांच नक्सलियों के आत्मसमर्पण किया। छत्तीसगढ़ शासन की छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति एवं नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर तथा अंदरूनी क्षेत्रों में लगातार नवीन सुरक्षा कैंप स्थापित कर पुलिस के बढ़ते प्रभाव से आत्मसमर्पण किया गया।

सभी सदस्य प्रतिबंधित नक्सल संगठन में जुड़कर विभिन्न नक्सली गतिविधियों जैसे पुलिस गस्त पार्टी की रेकी कर हमला करना, पुलिस पार्टी के आने-जाने वाले मार्गों पर स्पाईक/बम लगाना, मुख्य मार्गों को खोदकर मार्ग अवरूद्ध करना, शासन-प्रशासन के विरूद्ध बेनर, नक्सली पर्चा-पाम्पलेट लगाने एवं अन्य घटनाओं में शामिल रहे हैं। उक्त सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को छत्तीसगढ़ नक्सलवाद उन्मूलन एवं पुनर्वास नीति के तहत सहायता राशि व अन्य सुविधायें प्रदान कराये जाएंगे।

इन नक्सलियों ने किया सरेंडर

- सोड़ी पीडे पत्नी सोड़ी गंगा (सिंगाराम आरपीसी केएमएस उपाध्यक्षा) उम्र लगभग 42 वर्ष जाति मुरिया निवासी गोंदीगुड़ा थाना गोलापल्ली जिला सुकमा।
- माड़वी भीमा पिता माड़का (सिंगाराम आरपीसी डीएकेएमएस उपाध्यक्ष) उम्र लगभग 45 वर्ष जाति मुरिया निवासी गोंदीगुड़ा थाना गोलापल्ली जिला सुकमा।
- सोड़ी हुंगा पिता कोसा (सिंगाराम आरपीसी डीएकेएमएस सदस्य) उम्र लगभग 40 वर्ष जाति मुरिया निवासी गोंदीगुड़ा थाना गोलापाली जिला सुकमा।
- मड़कम भीमा पिता ओमा (सिंगाराम आरपीसी डीएकेएमएस सदस्य) उम्र लगभग 40 वर्ष जाति मुरिया निवासी गोंदीगुड़ा थाना गोलापल्ली जिला सुकमा।
- कवासी बिल्लू उर्फ लखमा (बुर्कलंका आरपीसी मिलिशिया सदस्य) उम्र लगभग 54 वर्ष जाति मुरिया निवासी पामलूर थाना किस्टाराम जिला सुकमा।

चाकू की नोक पर विवाहिता से दुष्कर्म कर भागा बदमाश

दो माह बाद ओडिसा के झारसुगुड़ा से पकड़ाया आरोपी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में घर पर अकेली महिला से चाकू की नोकर पर दुष्कर्म करने वाले बदमाश को पुलिस ने दो माह की तलाश के बाद गिरफ्तार कर लिया है। घटना दो माह पहले की है। इस मामले में पीड़ित महिला की शिकायत पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 75, 78, 87, 351(2), 64(1) के तहत अपराध दर्ज किया था। इसके बाद से लगातार आरोपी की खोजबीन की जा रही थी। आखिरकार पुलिस ने आरोपी को झारसुगुड़ा (ओड़िसा) से गिरफ्तार कर जेल भेजा है। मामला जिले के चौकी करडेगा थाना तपकरा का है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसा विवाहित महिला ने 25 जुलाई 2024 को थाना तपकरा पहुंचकर अपने साथ हुए दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने बताया कि उसका पति 9 जुलाई 2024 को काम करने मुंबई चला गया। उसी दिन करीब 3 बजे महिला के मोबाइल पर अज्ञात का कॉल आया और उसने कहा कि वह उससे मिलना चाहता है। तब महिला ने कहा कि वह उसे जानती नहीं इसलिए नहीं मिलेगी। इसके बाद रात 10.30 बजे किसी ने उसके कमरे में टॉर्च मारा तो वह चिल्लाई तो उसका ससुर जाग गया। यह देख बदमाश भाग गया। इसके बाद अज्ञात ने महिला को फिर फोन कर कहा कि वह उससे मिलने आया था क्यों नहीं मिली। अज्ञात ने इस बार अपना नाम सागर यादव बताया और फोन काट दिया।

इसके बाद 14 जुलाई 2024 के रात करीब 10.30 बजे महिला के घर का दरवाजा खटखटाने पर उसने खोला तो सामने एक युवक खड़ा था जिसने अपना नाम सागर यादव बताया। इससे पहले की महिला कुछ समझ पाती उसने चाकू दिखाकर महिला का मुंह दबा दिया जबरन खींचते हुए घर के पीछे एक पेड़ के नीचे ले गया और दुष्कर्म किया। महिला ने किसी तरह मुंह से उसका हाथ हटाया और जोर से चिल्लाने लगी। महिला के चिल्लाने पर सागर यादव भाग गया। विवेचना दौरान मुखबिर एवं सायबर सेल से आरोपी के झारसुगुड़ा रेलवे स्टेशन के पास मौजूद होने की सूचना मिली। इसके बाद पुलिस टीम द्वारा मौके पर जाकर आरोपी सागर यादव को हिरासत में लिया और जशपुर लेकर पहुंची।

सैक्स रैकेट पकड़ाया, दूसरे जिलों से युवतियों को बुलाकर महिलाएं करा रही थी वैश्यावृत्ति

श्रीकंचनपथ न्यूज

कबीरधाम। छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में देह व्यापार पर बड़ी कार्रवाई की गई है। यहां दो अलग अलग ठिकानों पर रेड कर पुलिस ने 8 युवतियों व दो युवकों को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा है। पकड़ी गई सभी युवतियां दूसरे जिलों की हैं। शहर में खुटू नर्सरी वार्ड क्रमांक 17 निवासी कौशल्या कुर्रे व राजनांदगांव बायपास निवासी किरण पनागर अपने-अपने घर में बाहर से लड़की बुलाकर वेश्यावृत्ति करा रही थी।

एडिशनल एसपी पुष्पेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि कवर्धा शहर के पुलिस की टीम ने खुटू नर्सरी कौशल्या कुर्रे के घर व किरण पनागर के घर में रेड मारी। पुलिस की रेड में कौशल्या के घर से तीन महिला व कुछ पुरुष संदिग्ध अवस्था में मिले। इसी प्रकार किरण पनागर के घर 4 महिला व दो पुरुष मिले। पुलिस ने सभी आरोपी को अनैतिक कार्य से क्षेत्र की शांति, सुरक्षा-व्यवस्था प्रभावित होने, संज्ञेय अपराध घटित होने की पूर्ण आशंका के मद्देनजर गिरफ्तार किया गया है। सभी को कोर्ट में पेश कर जेल भेजी जा रही है।

पकड़ी गई सभी युवतियां दूसरे जिलों की

इनसे पूछताछ करने पर अपना नाम कौशल्या कुर्रे पति संतोष कुर्रे उम्र 28 निवासी कवर्धा, सत्यवत्ती सिंह पति चेतन सिंह उम्र 27, अंजू जोशी पति नकुल जोशी उम्र 28 दोनों निवासी ग्राम भिंभौरी थाना सहसपुर लोहारा जिला कबीरधाम, ऋतु कुर्रे पिता संतोष कुर्रे उम्र 20 निवासी देवनगर थाना छोटेकोनी जिला बिलासपुर, अंकी कुर्रे पिता संपतराम कुर्रे उम्र22व निधि कुर्रे पित्ता संपतराम कुर्रे उम्र20 दोनों निवासी गुरु घासीदास चौक के पास अकलतरा थाना अकलतरा जिला जांजगीर-चांपा, साक्षी यादव पिता सुनील यादव उम्र 21 निवासी कोटा, जिला बिलासपुर, दुर्गा महोबिया पिता धनीराम उम्र 39 वर्ष निवासी ग्राम अंगई थाना बजाग जिला डिंडौरी (मध्यप्रदेश), धरमदास पिता गुलाबदास उम्र 36 निवासी ग्राम रीवापार थाना बोड़ला जिला कबीरधाम व पंकज देवांगन पिता पुनुराम देवांगन उम्र 30 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 12 टिकरीपारा रोड गंडई थाना गंडई जिला केसीजी का होना बताया।

एनआर इस्पात में लोहे के स्ट्रक्चर के नीचे दबकर क्रेन आपरेटर की मौत

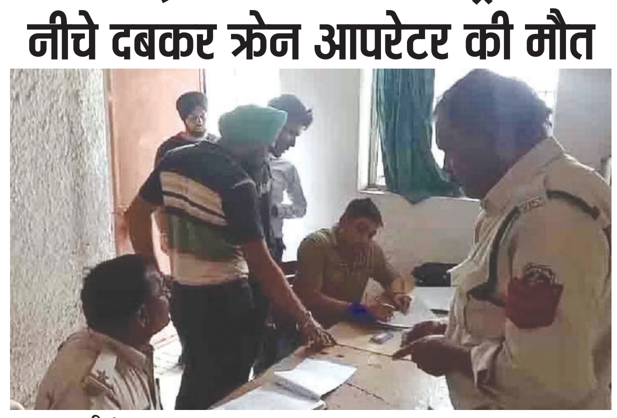

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। जिले में एनआर इस्पात में काम करते समय एक क्रेन आपरेटर की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही प्लांट में अफरा-तफरा की स्थिति निर्मित हो गई। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेज दिया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार रायगढ़ जिले के पूंजीपथरा थाना क्षेत्र में स्थित एनआर इस्पात में कल दोपहर 3 बजे के आसपास गुरफान अली पिता अफजल अली 23 साल निवासी सीवान बिहार जो कि एनआर इस्पात में बीते तीन माह से क्रेन आपरेटर के पद पर काम करते आ रहा था।

कल दोपहर वह क्रेन से लोहे के कुछ सामान को उपर चढ़ा रहा था इसी बीच क्रेन में बंधा हुआ पट्टा टूट गया और फिर लोहे का भारी भरकम 3 टन स्ट्रक्चर क्रेन आपरेटर गुरफान अली के ही उपर गिर गया जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं मौके पर मौजूद हेल्पर बाल- बाल बचा। अचानक घटी इस घटना के बाद प्लांट में अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। जिसके बाद पूंजीपथरा पुलिस को इस घटना से अवगत कराया गया।

इस संबंध में पुलिस ने बताया कि कल दोपहर हुई इस घटना के बाद मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेज दिया और मृतक के परिजनों को घटना से अवगत करा दिया है उनके रायगढ़ पहुंचने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम)/(छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मण्डल की उत्तरवर्ती कंपनी) CIN No. U40108CT20035GC015822,
कार्यालय – अधीक्षण अभियंता (नगर) वृत्त छ.स्टे.पा.डि.कं.लि.दुर्ग **Email ID – secc.durg@cspc.co.in**

क्रमांक/372000/क्रय शाखा/निविदा/2955   दुर्ग, दिनांक 12.09.2024

निविदा आमंत्रण सूचना (E-Bidding)

अधीक्षण अभियंता (नगर) वृत्त छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड दुर्ग के अधीनस्थ कार्यपालन अभियंता (नगर पूर्व) संभाग भिलाई के अधीनस्थ पॉवर हाउस जोन एवं भिलाई (शहर) क्षेत्र में टी.एम.सी., एफ.ओ.सी. विद्युत लाईन सुधार एवं अन्य कार्य हेतु बाह्य स्त्रोत से गैंग 03 पाली (प्रति पाली 01 कुशल – आई.टी.आई. उत्तीर्ण इलेक्ट्रीशियन/वायर मेन ट्रेड में, 02 अकुशल श्रमिक) इस प्रकार 03 कुशल एवं 06 अकुशल श्रमिक बाह्य स्त्रोत से 1 वर्ष हेतु अस्थायी अल्पकालिन अनुबंध हेतु ठेकेदारों से E-Bidding के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	निविदा क्रमांक (RFX No)	कार्य का नाम	अनुमानित निविदा मूल्य	निविदा मूल्य (वापसी योग्य नहीं)	बयाना राशि (वापसी योग्य)
01	8100039256	एफ.ओ.सी.एवं टी.एम.सी.विद्युत लाईन सुधार एवं अन्य कार्य हेतु बाह्य स्त्रोत जोन कार्यालय हेतु 01 गैंग 03 पाली में कार्य करने हेतु (प्रति पाली 01 कुशल एवं 02 अकुशल श्रमिक)	36,12,414.00	5,000.00 (Inclusive GST)	36,200.00

ऑन लाईन निविदा जमा करने की तिथि व समय	03.10.2024	दोप. 12.00 बजे तक
ऑन लाईन निविदा खोलने की तिथि व समय	03.10.2024	दोप. 12.30 बजे

नियम व शर्तें :-01. इच्छुक ठेकेदार उपरोक्त निविदा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के ऑनलाईन SAP-SRM पोर्टल के माध्यम से जमा कर सकेंगें तथा निविदा मूल्य एवं बयाना राशि SAP-SRM पोर्टल के माध्यम से Online जमा किया जाना है। निविदा मूल्य एवं बयाना राशि (चालान) **PDF Download** कर **Scan** कर टेण्डर **Document** के साथ संलग्न करना अनिवार्य है। 02. निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में अर्हता व कार्यों के संपादन संबंधी विस्तृत जानकारी निविदा प्रपत्र में संलग्न है। 04. किसी भी प्रकार की देरी या तकनीकि बाधा के बाबत् कंपनी जिम्मेदार नहीं होगा। 05. निविदा उपरोक्त नियत तिथि व समय में E-Bidding के माध्यम से खोला जावेगा। 06. प्रतिनिधियों को अपना अधिकृत प्रमाण पत्र On line Scan कर जमा करना आवश्यक है। 07. अनुबंध/आदेश की अवधि 01 माह की नोटिस पर किसी भी समय समाप्त की जा सकती है। 08. निविदा निरस्त/संशोधन करने का अधिकार कंपनी के पास सुरक्षित होगा। 09. निविदाकर्ता के द्वारा संपूर्ण विवरण निविदा प्रपत्र के साथ संलग्न प्रोफार्मा में जमा करना अनिवार्य है।

Details of NIT and Tender Documents are available on our website – For external users : https://ebiding.cspcl.co.in:50724/irj/portal helpline no. 0771-2576672 (EITC, CSPDCL) The bidder must have a valid Digital signature and Sap SRM User ID. For e-bidding training is scheduled at EITC (to help bidders for participation through e-bidding), on every working Wednesday from 3.00 PM to 5.00 PM. Java configuration changes are to be done in the exception site list. The process is – open Java by following the path control panel >Java>security Tab> Exception Site list Click on Edit site list "Add the web link "https://cisrp.cspcl.co.in:1443" in exception site list. अधीक्षण अभियंता (नगर) वृत्त छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमिटेड, दुर्ग

स्वहित एवं राष्ट्रहित में ऊर्जा बचायें   S-41429/3

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले, पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध
Rakesh Sahu
9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

जमीन पर दिखनी चाहिए पुलिस और प्रशासन की कार्यप्रणाली

दो दिनी कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस में सीएम साय ने तय की जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से कहा है कि कलेक्टर एसपी कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों का रिजल्ट कल से ही मैदानी स्तर पर दिखना शुरू हो जाए। उन्होंने कहा कि जिले स्तर की समस्याओं का निराकरण जिला स्तर पर ही किया जाए, इसके लिए सुविधा अनुसार जिले में नियमित जनदर्शन आयोजित किए जाएं। कलेक्टर एसपी कॉन्फ्रेंस में दिए गए निर्देशों का आज से ही त्वरित एवं प्रभावी परिपालन सुनिश्चित करते हुए अपनी कार्यप्रणाली को बेहतर करें, जिसका असर तत्काल जिलों में दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय एवं जिले स्तर पर निराकृत हो सकने वाले मामले स्थानीय एवं जिले स्तर पर ही निराकृत हो, यह सभी कलेक्टर प्रति सप्ताह जनदर्शन लेकर सुनिश्चित करें।

यदि स्थानीय स्तर पर निराकृत होने वाले प्रकरण राज्य स्तर पर आयोजित होने वाले मुख्यमंत्री जनदर्शन में आएंगे, तो वह संबंधित जिले में प्रशासनिक अमले की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिन्ह लगने की दृष्टि से देखा जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य स्तर की समस्याओं का समाधान प्रदेश स्तर पर किया जाएगा। रायपुर में अब मुख्यमंत्री जनदर्शन माह में केवल एक बार आयोजित किया जाएगा, जिसमें महत्वपूर्ण और राज्य स्तरीय मामले ही आने चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्म समर्पित माओवादियों के पुनर्वास के लिए व्यापक नीति जल्द लाई जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार मोदी जी की गारंटी और सुशासन की गारंटी की सरकार है। अधिकारी स्वयं को जनता का सेवक मानते हुए पूरे समर्पण, मेहनत और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। शासन की नीतियों और योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति को भी पारदर्शिता के साथ मिले। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सरकार को 9 माह पूरे हो रहे हैं। इस खास मौके पर आप सभी से चर्चा का यह अनुभव शानदार रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिला और पुलिस प्रशासन सरकार की आंख और कान के समान है। जिला प्रशासन के कार्यों से शासन की इमेज बनती है। उन्होंने कहा कि पुलिस के हाथ लोहे के और दिल मोम का होना चाहिए। अपराधियों और असामाजिक तत्वों में पुलिस का भय हो तथा समाज के कमजोर वर्गों, महिलाओं और बच्चों में सुरक्षा का भाव जगे। जिला और पुलिस प्रशासन के प्रमुखों में इन वर्गों के प्रति गार्जियनशिप की भावना होनी चाहिए। जिले में कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक दोनों आपस में समन्वय स्थापित करते हुए संयुक्त रूप से दौरा करें। श्री साय ने कहा कि पुलिस विभाग की रीढ़ अनुशासन है। ऐसे में आवश्यक है कि आपराधिक गतिविधियों में लिप्त पुलिस के कर्मचारियों पर कठोर कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि महिलाओं से संबंधित गंभीर अपराधों में आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी हो और विशेष अभियोजक नियुक्त कर समयबद्ध ट्रायल पूर्ण करवाकर दोष सिद्ध होने पर सजा दिलाना सुनिश्चित किया जाए। सैद्धांतिक रूप से इन प्रकरणों के आरोपियों को तीन माह की समय-सीमा में समस्त वैधानिक कार्यवाही पूर्ण कर न्यायालय द्वारा प्रकरण में सजा दिलाने के लिए कार्य योजना तैयार की जाए। अवैध शराब, सट्टा, मादक पदार्थ, जुआ के विरूद्ध जीरो टालरेंस के साथ काम किया जाए। ऐसी शिकायतें मिलने पर इसके लिये पुलिस अधीक्षक जिम्मेदार माने जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सायबर क्राईम को रोकने के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाए। लोगों को जागरूक किया जाए। साथ ही यह भी आवश्यक है कि इन अपराधों पर नियंत्रण के लिये पुलिस सक्षम हो। राज्य सरकार द्वारा इसके लिए आवश्यक संसाधन और प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में मौतों को रोकने के लिए दुर्घटनाजन्य स्थानों की पहचान की जाए। लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करें। प्रतिबंधात्मक कार्यवाही विशेषकर जिला बदर के प्रकरणों में कलेक्टर समय-सीमा में आदेश प्रसारित करें। आदेश केवल कागज पर ही न रहें, उसका पालन सुनिश्चित हो। वाहनों को राजसात करने व चिटफंड के प्रकरणों में भी आवश्यक ध्यान देने की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री ने नक्सल मोर्चे पर मिली सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि आप सभी की बहादुरी, कौशल और पैरा मिलेट्री फोर्सेस के साथ समन्वय से प्रदेश में नक्सलियों के पांव उखड़ रहे है। यह जरूरी है कि इन सुदूर इलाकों में विकास का उजाला भी पहुंचे। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नियाद नेल्लानार योजना का प्रभावी कियान्वयन जरूरी है। नई सरकार के गठन के बाद माओवादी समस्या के समूल उन्मूलन के लिए ज्वाइंट एक्शन प्लान पर अमल किया जा रहा है, जिसका यह परिणाम है कि विगत् 09 माह में सुरक्षा बलों द्वारा 108 मुठभेड़ों में 159 माओवादियों के शव और बड़ी मात्रा हथियार विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। विगत 9 माह में 34 फारवर्ड सुरक्षा कैम्पों की स्थापना की गई है। जिससे माओवादी गतिविधियों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। छत्तीसगढ़ को 04 नवीन सीआरपीएफ बटालियनें आबंटित की गई है। सुदूर क्षेत्रों में विकास कार्यों के तहत 44 मार्ग और 10 पुलों का निर्माण किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा पीड़ित एवं आत्म समर्पित माओवादियों के पुनर्वास के लिए व्यापक नीति जल्द लाई जाएगी। माओवादी प्रभावित क्षेत्रों में आमजनों का विश्वास अर्जित करने और माओवादियों के उन्मूलन के लिए आक्रामक कार्यवाही की रणनीति जारी रहेगी। जनता और शासन प्रशासन के बीच निरंतर संवाद जनता के बीच विश्वास पैदा करता है। नियमित पुलिसिंग, लोगों की समस्याओं का त्वरित निराकरण, पुलिस की पारदर्शी कार्य प्रणाली सुशासन की स्थापना की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। जन सेवा हम सबका उद्देश्य है। छत्तीसगढ़ में खुशहाली हो, शांति और सुरक्षा हो, इसकी जिम्मेदारी हम सब पर है।

सरकारी प्रयासों से बढ़ा बालिकाओं का आत्मविश्वास- देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विष्णु देव सरकार में बालिकाओं को शिक्षा के प्रति जागरूक करने और उन्हें स्कूल जाने के लिए प्रोत्साहित करने का काम कर रही है। ग्रामीण इलाकों में शिक्षा की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सीधा फायदा बालिकाओं को मिल रहा है और इससे उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा है। उक्त बातें वाणिज्य उद्योग और श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी विद्यालय, गोपालपुर में मुख्यमंत्री सरस्वती साइकिल योजना के वितरण कार्यक्रम के दौरान कही।

मंत्री श्री देवांगन ने कक्षा 9 वीं में अध्ययनरत छात्राओं को कहा कि पैदल आने जाने की समस्या से निजात दिलाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सरस्वती साइकिल योजना के तहत साइकिल वितरण का निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता का ही परिणाम है कि आज ग्रामीण क्षेत्र की छात्राएं साइकिल से स्कूल आना-जाना कर नियमित अध्ययन कर आगे बढ़ रही हैं। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि हमारी सरकार बेटियों को नि:शुल्क पाठ्यपुस्तक, गणवेश प्रदान कर रही है, जिससे बेटियां पढ़-लिखकर अपने परिवार के साथ क्षेत्र का नाम रोशन करते हुए आगे बढ़े।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सरस्वती साइकिल योजना की शुरुआत वर्ष 2004-2005 में डॉ. रमन सरकार के कार्यकाल में की गई थी और तब से अब तक लाखों बालिकाओं को इस योजना के तहत साइकिल वितरित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज के विकास की नींव होती है और इस योजना के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं की स्कूल छोड़ने की दर में भी कमी आई है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए यह पहल की है, ताकि वे आसानी से स्कूल पहुंच सकें और उनकी शिक्षा में बाधा न आए। यह योजना न केवल उनकी शिक्षा को आगे बढ़ाने में मदद करती है, बल्कि उन्हें स्वावलंबी बनाने का एक प्रयास भी है।

मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि कोरबा जिले के सभी शासकीय स्कूलों के मरम्मत के लिए डीएमएफ से राशि स्वीकृत की जा चुकी है। स्कूलों में नाश्ते की भी शुरुवात हो चुकी है। स्कूलों की सभी बुनियादी सुविधाएं अच्छे ढंग से उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इस अवसर पर वार्ड क्रमांक 16 के पार्षद नरेंद्र देवांगन, पार्षद पुष्पा कंवर, दर्री मंडल अध्यक्ष ईश्वर साहू, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रतिचंद देवांगन, मनोज यादव, मुकुंद सिंह कंवर स्कूल की प्राचार्य सीमा भारद्वाज समेत अधिक संख्या में शिक्षक और अभिभावक भी उपस्थित रहे।

डिप्टी सीएम साव ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय का किया भ्रमण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने अमेरिका के अपने अध्ययन प्रवास के दौरान गुरुवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र संघ के मुख्यालय का भ्रमण किया। उन्होंने वहां संयुक्त राष्ट्र संघ के सामान्य सभा कक्ष, सुरक्षा समिति कक्ष इत्यादि जगहों का भ्रमण कर संघ की कार्यप्रणाली को समझा। अध्ययन दौरे पर साथ गए लोक निर्माण विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह भी इस दौरान उनके साथ थे। श्री साव संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय में मुख्य वित्त अधिकारी आनंद पाण्डेय के आमंत्रण पर वहां गए थे। श्री पाण्डेय मूलत: बिलासपुर जिले के बेलसरी (तखतपुर) के निवासी हैं। श्री साव ने संयुक्त राष्ट्र संघ मुख्यालय के भ्रमण के बाद कहा कि दुनिया के इतने महत्वपूर्ण कार्यालय में बिलासपुर के बेलसरी का बेटा मुख्य वित्त अधिकारी के गरिमामय पद पर कार्यरत हैं। यह पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव की बात है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव न्यूजर्सी के रॉयल एल्बर्ट्स पैलेस में भारतीय मूल के लोगों द्वारा अपने सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में भी शामिल हुए। उन्होंने कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ और देश के विकास के लिए किए जा रहे कार्यों के साथ ही छत्तीसगढ़ की संस्कृति, पर्यटन, पौराणिक मान्यताओं, संसाधनों और यहां के सीधे-सरल लोगों के बारे में बताया। उन्होंने विकसित छत्तीसगढ़ के बारे में अपने विचार भी रखे। श्री साव ने अमेरिका में बसे भारतीयों को छत्तीसगढ़ आने और यहां की अनुपम छटा व प्राकृतिक सुंदरता को देखने आमंत्रित किया। श्री साव ने वहां रह रहे छत्तीसगढ़ के लोगों के बारे में भी पूछा।

उन्होंने कार्यक्रम के आयोजकों को लोरमी में अपने द्वारा बनवाई गई भगवान श्रीराम की बेर से बनी कलाकृति का छायाचित्र भेंट किया।

पहाड़ी कोरवा महिलाएं सुना रही महतारी वंदन की कहानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरगुजा जिले के पहाड़ी कोरवा बाहुल्य ग्राम रामनगर की श्रीमती संगीता पहाड़ी कोरवा कहती हैं कि मुख्यमंत्री विष्णु भईया हर महीने एक हजार रूपए हमारे बैंक खाते में भेजते हैं। महतारी वंदन योजना के तहत मिले पैसों से काफी मदद हो जाती है। इन रुपयों को घर के छोटे-मोटे खर्चे, बच्चों के पढ़ाई-लिखाई के समान खरीदने में खर्च करते हैं।

इसी तरह ग्राम रामनगर (बरपारा) निवासी श्रीमती गुलाबी भी महतारी वंदन योजना की हितग्राही हैं। वे कहती हैं कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत हर महीना एक हजार रुपए की राशि सीधे खाते में मिल जाती हैं। इस पैसे से घरेलू खर्चे में काफी मदद हो जाती है और हाथ में पैसा हो तो आत्मविश्वास रहता है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 2 सितंबर को महतारी वंदन योजना के सातवीं किस्त की राशि के रूप में 01-01 हजार रुपए डीबीटी के माध्यम से महिलाओं के खाते में अंतरित किए। सरगुजा जिले में 7वीं किश्त में जिले की 2 लाख 32 हजार 840 महिलाओं के खाते में 21 करोड़ 48 लाख रुपए अंतरित किए गए हैं। प्रदेश में महिलाओ के आर्थिक स्वावलंबन तथा उनके स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर मे सतत सुधार तथा परिवार में उनकी निर्णायक भूमिका सुदृढ़ करने हेतु महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महतारी वंदन योजना लागू किए जाने का निर्णय लिया गया। जिसके अंतर्गत राज्य की विवाहित, विधवा परित्यक्ता और तलाकशुदा जिनकी उम्र 21 वर्ष से अधिक हो ऐसी महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

तालाब निर्माण से सूखे खेतों में आई हरियाली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य शासन की लघुत्तम सिंचाई तालाब निर्माण योजना से सूखे खेतों में पहली बार पानी पहुंचा है। जिससे सैकड़ों एकड़ सूखे और दरार पड़े खेतों में हरियाली छायी है। महासमुंद के किसान अब यहां धान की फसल लेकर अपनी आजीविका सुदृढ़ कर रहे हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन की झलक सरायपाली अंतर्गत ग्राम टिभुपाली में वर्ष 2023-24 में कृषि विभाग द्वारा खोदे गए लघु तालाब से किसानों की जिंदगी में खुशी झलक रही है। ग्राम टिभुपाली में वर्ष 2023-24 में लघुत्तम सिंचाई तालाब निर्माण योजना अंतर्गत 43.79 लाख रुपए की लागत से तालाब खोदा गया। यहां पहली बरसात में तालाब

लबालब हो गया। इससे तालाब के नीचे खेतों में हरियाली बिखर गई। अब यहां के किसान खरीफमें पहली बार धान की फसल ले रहें हैं। तालाब से लगभग 56 किसानों को 39.50 हेक्टेयर क्षेत्र में लाभ होगा।

ग्राम टिभुपाली के किसान विपिल पटेल, रीतु पटेल, शोभित ध्रुव, मोनू बरिहा ने बताया कि उनके खेत पहले भर्री किस्म के थे। जिसमें कभी-कभी कुछ फसल लगा दिया करते थे। लेकिन पूरी तरह बरसात के पानी पर और भगवान भरोसे निर्भर रहना पड़ता था। किसान विपिल पटेल जिनकी 6 एकड़ की खेती है ने बताया कि वे पहली बार अपने खेत में धान की फसल लिए है और इस सीजन में भी अच्छी फसल की उम्मीद है। इसी तरह रीतु पटेल के 2 एकड़ खेत, शोभित ध्रुव के 1.50 एकड़ खेत एवं मोनू ध्रुव के 3 एकड़ खेत में धान की फसल लहलहा रही है। ग्राम के सरपंच मोती पटेल ने भी बताया कि इससे फिलहाल 35 एकड़ में सिंचाई हो रही है। 10 किसानों को सीधा फायदा मिल रहा है। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को इस सफल योजना के लिए धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त किया है।

इसी तरह पिथौरा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम अरण्ड में इसी वर्ष तालाब खनन का कार्य किया गया है। यहां के किसानों ने बताया कि इस क्षेत्र में लगभग फसल नहीं हो पाती थी और अंतिम सिंचाई के लिए नाले के पानी पर निर्भर रहना पड़ता था। तालाब खनन से करीब 30 एकड़ खेतों में सिंचाई हो रही है। अरण्ड के सरपंच देवराज सिंह ठाकुर ने बताया कि तालाब खनन से दोहरा फायदा हुआ है एक तो आसपास के क्षेत्र में भू जल का स्तर बढ़ा है वहीं दूसरी ओर फसल पकने के पूर्व अंतिम सिंचाई के लिए किसान निश्चिंत है। उन्होंने क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया है।

जल-जीवन मिशन से घर-घर पहुंचा शुद्ध पेयजल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। गर्मियों के दिनों में पेयजल की विकट समस्या से जूझते ग्राम कुरदी के निवासियों को अब जल-जीवन मिशन के बेहतर संचालन के माध्यम से शुद्ध पेयजल मिल रहा है। इस योजना के अंतर्गत प्रत्येक घर में नल कनेक्शन प्रदान कर शुद्ध पेयजल की सुविधा दी जा रही है, जिससे ग्रामीण बेहद खुश हैं और उन्होंने शासन और प्रशासन का आभार व्यक्त किया है।

गौरतलब है कि ग्राम पंचायत कुरदी में 'हर घर जल' रेटरोफिटिंग योजना के अंतर्गत लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने उच्च स्तरीय पानी की टंकी का निर्माण किया और पाइपलाइन का विस्तार किया। इस योजना के माध्यम से अब हर घर में प्रतिदिन सुबह और शाम शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। ग्राम पंचायत के सरपंच संजय कुमार साहू ने बताया कि पहले ग्राम में पानी की कमी की वजह काफी समस्या थी। कई बार अन्य गांवों से टैंकरों के माध्यम से पानी मंगवाया जाता था, लेकिन अब जल-जीवन मिशन के तहत पानी की टंकी और नल कनेक्शन के माध्यम से हर घर में पानी पहुँच रहा है। ग्राम कुरदी महिलाएं जैसे श्रीमती रूपा बाई साहू और हीरा बाई ने बताया कि पहले उन्हें हैंडपंप से पानी लाने के लिए लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ता था, लेकिन अब घर में नल लगने से उन्हें पर्याप्त मात्रा में शुद्ध पानी मिल रहा है, जिससे उनका जीवन बहुत आसान हो गया है।

प्राथमिक शाला कुरदी की प्रधानपाठक श्रीमती खिलेश्वरी साहू ने बताया कि स्कूली बच्चों को जल संरक्षण और इसके बेहतर उपयोग के प्रति जागरूक करने के लिए नियमित रूप से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

इससे बच्चों और ग्रामीणों में जल बचाने की समझ विकसित हुई है। आंगनबाड़ी केन्द्र की सहायिका श्रीमती वैजंती ठाकुर ने बताया कि आंगनबाड़ी में भी अब नल से शुद्ध पेयजल मिल रहा है, जिससे बच्चों के पेयजल, भोजन पकाने और किचन गार्डन के लिए पानी का इस्तेमाल किया जा रहा है। ग्राम कुरदी के सभी ग्रामीणों ने जल-जीवन मिशन के तहत हर घर में नल के माध्यम से शुद्ध पेयजल मिलने और इसके सफल क्रियान्वयन के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया और आभार व्यक्त किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950